दैनिक छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस में कोर्ट नोटिस, ईश्तहार एवं सभी प्रकार के विज्ञापन लगवाने के लिए संपर्क करें
मो. 7489405373

छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस

जांजगीर और रायपुर से एक साथ प्रकाशित

आपका अपना अखबार-आपका अपना समाचार

प्रधान संपादक : राजेश सिंह क्षत्री

■ वर्ष-09 ■ अंक 142, जांजगीर, मंगलवार 23 जनवरी 2024 ■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : 2.00 रु.

dainikchhattisgarhexpress@gmail.com

सार समाचार

बिलकिस गैंगरेप के 11 दोषियों का सरेंडर

वडोदरा। बिलकिस बानो गैंगरेप मामले के 11 दोषियों ने रविवार देर रात गोधरा जेल अधिकारियों के सामने सरेंडर कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने 8 जनवरी को 2002 के गुजरात दंगों के दौरान बिलकिस से गैंगरेप के दोषियों को समय से पहले रिहा करने के गुजरात सरकार के फैसले को रद्द कर दिया था। कोर्ट ने सभी दोषियों को दो हफ्ते के भीतर यानी 21 जनवरी तक सरेंडर करने के लिए कहा था। सरेंडर करने वाले सभी 11 दोषी दो वाहनों में सवार होकर दाहोद जिले के सिंगवाड से गोधरा उप-जेल पहुंचे। दोषियों में राधेश्याम शाह, जसवंत नई, गोविंद नई, केसर वोहनिया, बाका वोहनिया, राजू सोनी, रमेश चंदना, शैलेश भट्ट, बिपिन जोशी, प्रदीप मोधिया और मितेश भट्ट शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, सभी आरोपियों को ट्रैक किया था। सरेंडर के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया है।

असली शिवसेना पर सुप्रीम कोर्ट ने एकनाथ शिंदे गुट को भेजा नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उद्धव ठाकरे गुट की याचिका पर नोटिस जारी किया है। शीर्ष कोर्ट ने यह नोटिस महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले गुट को असली शिवसेना घोषित करने के स्पीकर के आदेश के खिलाफ उद्धव ठाकरे गुट की याचिका पर जारी किया है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने उद्धव ठाकरे गुट की याचिका पर महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और कुछ अन्य विधायकों को नोटिस जारी किया है। राहुल नार्वेकर के आदेश को उद्धव गुट ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने ठाकरे गुट की ओर से पेश सीनियर वकील कपिल सिब्बल और अभिषेक सिंघवी की दलीलों पर ध्यान दिया और मुख्यमंत्री शिंदे और अन्य विधायकों से दो हफ्ते में जवाब मांगा है।

अयोध्या में हुई राम लला की प्राण प्रतिष्ठा, अमेरिका से लेकर मॉरिशस तक रामभक्ति में डूबे...

कहीं निकली कार रैली, कहीं रामलला उत्सव की धूम

अयोध्या/एजेंसी

अयोध्या में सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की। इसके साथ ही रामलला गर्भगृह में विराजमान हो गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरे विधि-विधान से रामलला के प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान को संपन्न किया। राम मंदिर के इस भव्य उद्घाटन को देशभर में त्योहार की तरह मनाया जा रहा है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि दुनियाभर में जश्न का मौहाल है। अमेरिका से लेकर मॉरीशस और त्रिनिडाड और टोबैगो जैसे देशों में रामभक्तों का उत्साह बना हुआ है। अमेरिका के न्यूयॉर्क से लेकर वॉशिंगटन और लॉस एंजेलिस तक रामभक्त भक्ति और आस्था में डूबे नजर आए। अयोध्या में कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी ने वहां मौजूद लोगों को संबोधित कहा कि सदियों की प्रतीक्षा के बाद हमारे राम आ गए हैं। सदियों का अभूतपूर्व धैर्य, अनगिनत बलिदान, त्याग और तपस्या के बाद हमारे प्रभु राम आ गए हैं। इस शुभ घड़ी की आप सभी को, समस्त देशवासियों को बधाई। मैं गर्भगृह में ईश्वरीय चेतना का साक्षी बनकर आपके सामने उपस्थित हुआ हूं।

उन्होंने कहा कि कितना कुछ कहने को है, लेकिन कंठ अवरूद्ध है, शरीर स्पंदित है, चित्त अभी भी उस पल में लीन है। हमारे रामलला अब टेंट में नहीं रहेंगे। हमारे रामलला अब दिव्य मंदिर में रहेंगे। मेरा पक्का विश्वास है, अपार श्रद्धा है, जो घटित हुआ है, इसकी अनुभूति देश और विश्व के कोने-कोने में राम भक्तों को हो रही होगी। यह क्षण आलौकिक है। यह पल पवित्रतम है। यह माहौल, वातावरण, यह घड़ी, प्रभु श्रीराम का हम सब पर आशीवांद है।

यह राम के रूप में राष्ट्र चेतना का मंदिर

पीएम मोदी ने कहा, हमारे राम लला आ गए हैं। राम लला अब टेंट में नहीं रहेंगे। पीएम मोदी ने कहा, सदियों की प्रतीक्षा के बाद हमारे राम आ गए हैं। सदियों के अभूतपूर्व धैर्य, अनगिनत बलिदान, त्याग और तपस्या के बाद हमारे प्रभु राम आ गए हैं। हमारे रामलला अब टेंट में नहीं रहेंगे। हमारे रामलला अब इस दिव्य मंदिर में रहेंगे। मेरा पक्का विश्वास और अपार श्रद्धा है कि जो घटित हुआ है, इसकी अनुभूति देश के, विश्व के कोने-कोने में रामभक्तों को हो रही होगी। ये क्षण आलौकिक है, ये पल पवित्रतम है। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी, 2024 का ये सूरज एक अद्भुत आभा लेकर आया है। ये कैलेंडर पर लिखी एक तारीख नहीं, बल्कि ये एक नए कालचक्र का उद्गम है। मैं प्रभु श्रीराम से क्षमा भी मांगता हूं। हमारे पुर्षार्क्ष में कोई तो कमी रही होगी कि इस काम को करने में हमें इतना समय लग गया। मुझे पूरा विश्वास है कि प्रभु श्री राम हमें जरूर माफ करेंगे। राम मंदिर के भूमिपूजन के बाद से प्रतिदिन पूरे देश में उमंग और उत्साह बढ़ता ही जा रहा था। निर्माण कार्य देख देशवासियों में हर दिन एक नया विश्वास पैदा हो रहा था। आज हमें सदियों के उस धैर्य की धरोहर मिली है। आज हमें श्रीराम का मंदिर मिला है। भारत के संविधान की पहली प्रति में भगवान राम विराजमान हैं। संविधान के अस्तित्व में आने के बाद भी दशकों तक प्रभु श्रीराम के अस्तित्व को लेकर कानूनी लड़ाई चली। मैं आभार व्यक्त करूंगा भारत की न्यायपालिका का, जिसने न्याय की लाज रख ली।

आज हमें सदियों की धरोहर मिली है

पीएम मोदी ने कहा कि हमारे रामलला अब टेंट में नहीं रहेंगे। हमारे रामलला अब दिव्य मंदिर में रहेंगे। राम मंदिर के निर्माण के बाद से देशवासियों में नया उत्साह पैदा हो रहा था। आज हमें सदियों की धरोहर मिली है, श्रीराम का मंदिर मिला है। गुलामी की मानसिकता को तोडक़र उठ खड़ा होता राष्ट्र ऐसे ही नवइतिहास का सृजन करता है।

मुस्लिम परिवार में जन्मे बच्चे का नाम भगवान राम के नाम पर रखा गया

फिरोजाबाद/एजेंसी

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दिन सोमवार को फिरोजाबाद में एक मुस्लिम परिवार में जन्मे बच्चे का नाम राम रहीम रखा गया है। वहीं, संभल जिले के चंदौसी में एक अस्पताल के प्रसूति कक्ष में भगवान राम का एक लघु मंदिर बनाया गया है। फिरोजाबाद के महिला अस्पताल में मुस्लिम परिवार के यहां जन्मे एक बच्चे का नाम महिला अस्पताल के प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर नवीन जैन ने बताया, प्रसूता का नाम फरज़ाना है और आज उसने एक बच्चे को जन्म दिया। बच्चे की दादी हुस्न बानो ने उसका नाम राम रहीम रखा है। बानो ने कहा कि उन्होंने हिंदू-मुस्लिम एकता का संदेश देने के लिए बच्चे का नाम राम रहीम रखा है।

वहीं, प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर संभल जिले के चंदौसी में स्थित एक निजी नर्सिंग होम के प्रसूति कक्ष में एक लघु राम मंदिर बनाया गया है। सोमवार को गर्भवती महिलाओं को प्रसव से पहले भगवान राम के दर्शन कराए गये। नर्सिंग होम की डॉक्टर वंदना सक्सेना ने बताया, आज अयोध्या में भगवान श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर उन्होंने अपने नर्सिंग होम के प्रसूति कक्ष, नवजात शिशु कक्ष को भगवा रंग से सजाया है। साथ ही नवजात कक्ष में एक लघु भगवान श्री राम का मंदिर भी बनाया गया है। उन्होंने बताया कि हिन्दू गर्भवती महिलाओं को प्रसूति से पहले श्री राम की पूजा-अर्चना कराई जा रही है तथा उन्हें हनुमान चालीसा का पाठ भी कराया जा रहा है। डॉक्टर वंदना ने बताया, अस्पताल में सोमवार को कुल छह बच्चों का जन्म हुआ जिनमें तीन लड़के हैं। उनके नाम भगवान राम के नाम पर रखे गए हैं।

राहुल को मंदिर जाने से रोका, धरने पर बैठे

असम में यात्रा के दौरान बोले- आज सिर्फ एक व्यक्ति मंदिर जा सकता है क्या

गुवाहाटी/एजेंसी

भारत जोड़ो न्याय यात्रा के नौवें दिन सोमवार को राहुल गांधी असम के नगांव पहुंचे। वे यहां बोर्दोवा थान में संत श्री शंकरदेव के जन्मस्थल पर दर्शन करने आए थे, लेकिन उन्हें एंट्री नहीं दी गई। सुरक्षाबलों ने राहुल और अन्य कांग्रेसी नेताओं को रास्ते में हैबरगांव में रोक दिया। यहां सुरक्षाबलों से बहस के बाद राहुल और अन्य कांग्रेसी नेता धरने पर बैठ गए। सभी को अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के बाद 3 बजे मंदिर आने के लिए कहा गया है।

धरने के दौरान राहुल ने कहा कि मैंने कौन-सा अपराध किया है कि मैं मंदिर नहीं जा सकता? क्या पीएम मोदी तय करेंगे कि मंदिर कौन जाएगा। आज क्या सिर्फ एक ही व्यक्ति मंदिर जा सकता है। मैं शंकरदेव की विचारधारा में विश्वास रखता हूं। वे हमारे गुरु की तरह हैं। इसलिए मैंने सोचा था कि जब भी असम आऊंगा, उनका आशीर्वाद जरूर लूंगा। राहुल ने आगे कहा कि मुझे 11 जनवरी को इसका न्योता मिला था। लेकिन रविवार को मुझे बताया गया कि यहां कानून व्यवस्था के बिगडऩे का खतरा है। यह संदेह पैदा करता है, क्योंकि गौरव गोगई और अन्य नेताओं को तो नहीं रोका गया, सिर्फ मुझे रोका गया। कांग्रेस जनरल सेक्रेटरी जयराम रमेश ने कहा कि राहुल गांधी 11 जनवरी से यहां आना चाहते थे। इसके लिए हमारे दो विधायक मंदिर प्रबंधन से मिले भी थे। हमने बताया था कि हम 22 जनवरी को सुबह 7 बजे यहां आएंगे। हमें बोला गया कि हमारा स्वागत किया जाएगा।

सदियों के धैर्य, अनगिनत बलिदानों, त्याग और तपस्या के बाद, हमारे श्री राम यहाँ हैं : पीएम मोदी

अयोध्या/एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज उत्तर प्रदेश के अयोध्या में नवनिर्मित श्री राम जन्मभूमि मंदिर में श्री राम लला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भाग लिया। श्री मोदी ने श्री राम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण में योगदान देने वाले श्रमजीवियों से बातचीत की। प्रधानमंत्री ने कहा कि सदियों के बाद आखिरकार हमारे राम आ गए हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इस अवसर पर नागरिकों को बधाई देते हुए कहा, सदियों के धैर्य, अनगिनत बलिदान, त्याग और तपस्या के बाद, हमारे भगवान राम यहां हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि गर्भ गृह (आंतरिक गर्भगृह) के अंदर ईश्वरीय चेतना का अनुभव शब्दों में नहीं किया जा सकता है और उनका शरीर ऊर्जा से स्पंदित है और मन प्राण प्रतिष्ठा के क्षण के लिए समर्पित है। हमारे राम लला अब तंबू में नहीं रहेंगे। यह दिव्य मंदिर अब उनका घर होगा, प्रधानमंत्री ने विश्वास और श्रद्धा व्यक्त करते हुए कहा कि आज की घटनाओं को देश और दुनिया भर के राम भक्तों द्वारा अनुभव किया जा सकता है। श्री मोदी ने कहा, यह क्षण अलौकिक और पवित्र है, वातावरण, पर्यावरण और ऊर्जा हम पर भगवान राम के आशीर्वाद का प्रतीक है। उन्होंने रेखांकित किया कि 22 जनवरी की सुबह का सूरज अपने साथ एक नई आभा लेकर आया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 22 जनवरी, 2024 केवल कैलेंडर की एक तारीख नहीं है, यह एक नए काल चक्र का उद्गम है। राम मंदिर के भूमि पूजन के बाद से प्रतिदिन पूरे देश में उमंग और उत्साह बढ़ता ही जा रहा था। निर्माण कार्य देख, देशवासियों में हर दिन एक नया विश्वास पैदा हो रहा था और विकास कार्यों की प्रगति से नागरिकों में नई ऊर्जा का संचार हुआ। आज हमें सदियों के उस धैर्य की धरोहर मिली है, आज हमें श्रीराम का मंदिर मिला है। प्रधानमंत्री ने कहा, आज हमें सदियों के धैर्य की विरासत मिली है, आज हमें श्री राम का मंदिर मिला है। उन्होंने जोर देकर कहा कि गुलामी की मानसिकता को तोड़कर उठ खड़ा हो रहा राष्ट्र, अतीत के हर दंश से हौसला लेकर, ऐसे ही नव इतिहास का सृजन करता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि आज की तारीख की चर्चा आज से एक हजार साल बाद की जाएगी और यह भगवान राम का आशीर्वाद है कि हम इस महत्वपूर्ण अवसर के साक्षी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, दिन, दिशाएं, आकाश और हर चीज आज दिव्यता से भरी हुई है, उन्होंने कहा कि यह कोई ये समय, सामान्य समय नहीं है। ये काल के चक्र पर सर्वकालिक स्याही से अंकित हो रहीं अमिट स्मृति रेखाएँ हैं।

श्री राम के हर कार्य में पवनपुत्र हनुमान की उपस्थिति की चर्चा कहते हुए प्रधानमंत्री ने श्री हनुमान और हनुमान गढ़ी को नमन किया। उन्होंने लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न और माता जानकी को भी प्रणाम किया। उन्होंने इस घटना पर दिव्य संस्थाओं की उपस्थिति को स्वीकार किया। प्रधानमंत्री ने आज का दिन देखने में हुई देरी के लिए प्रभु श्री राम से माफी मांगी और कहा कि आज वह कमी पूरी हो गई है, प्रभु राम निश्चित रूप से हमें क्षमा करेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा, त्रेता युग में राम आगमन पर संत तुलसीदास ने लिखा, प्रभु बिलोकि हरषे संत तुलसीदास पुरबासी। जनित वियोग बिपति सब नासी। अर्थात, प्रभु का आगमन देखकर ही सब अयोध्यावासी, समग्र देशवासी हर्ष से भर गए। उस कालखंड में तो वो वियोग केवल 14 वर्षों का था, तब भी इतना असह्य था।

महिला आरक्षण पर सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को लोकसभा चुनाव से पहले महिला आरक्षण विधेयक को तत्काल लागू करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई की। यह याचिका कांग्रेस नेता जया ठाकुर ने दायर की है। मामला जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच में लिस्टेड था। हालांकि पिछली सुनवाई की तरह केंद्र सरकार की तरफ से कोई वकील मौजूद नहीं था, इसलिए सुनवाई एक बार फिर स्थगित कर दी गई। अगली सुनवाई 3 हफ्ते बाद होगी। कोर्ट ने वकील की मौजूदगी न होने पर नोटिस जारी कर जवाब भी मांगा है। नारी शक्ति वंदन कानून 20 सितंबर को लोकसभा और 21 सितंबर 2023 को राज्यसभा से पारित हुआ था। सुप्रीम कोर्ट ने नवंबर 2023 में इस मामले में नोटिस जारी करने से इनकार कर दिया था और कहा था- नारी शक्ति वंदन अधिनियम विधेयक 2023 के प्रावधान को रद्द करना बहुत मुश्किल होगा, क्योंकि यह महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत कोटा देता है। जब तक जनगणना और परिसीमन की कवायद नहीं हो जाती, विधेयक लागू नहीं किया जाएगा। जनहित याचिका में कहा गया है कि रिजर्वेशन विधेयक लागू करने के लिए जनगणना और परिसीमन की कोई जरूरत नहीं, क्योंकि सीटों की संख्या पहले ही घोषित की जा चुकी है। ये संशोधन मौजूदा सीटों के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण देता है। हमारे देश में यह माना जाता है कि 50 प्रतिशत आबादी महिलाओं की है, लेकिन चुनावों में उनका प्रतिनिधित्व केवल 4 प्रतिशत है।

श्रीराम लला प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर जिला मुख्यालय में जमकर मनाया गया जश्न

जांजगीर-चांपा/छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस। श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर आज जांजगीर चांपा जिले में भी जिलेवासियों ने जमकर जश्न मनाया। जिला मुख्यालय में सुबह से ही मंदिरों में लोगों की भीड़ देखी गई। जिला मुख्यालय के सभी मंदिरों में दिन भर भजन कीर्तन चला वहीं रैलियां निकाली गई। प्रसाद और भंडारे का आयोजन आज जितनी जगह किया गया आज से पहले शायद ही कभी किया गया होगा। प्रसाद वितरण का आलम यह था कि हर सौ मीटर की दूरी पर कोई ना कोई प्रसाद वितरण करते हुए नजर आया वहीं शहरवासी भी शहर का माहौल देखने के लिए सड़कों पर घूमते हुए नजर आए। रैलियों में युवाओं के साथ साथ महिलाओं और बच्चों की भी बराबर की सहभागिता नजर आई। वहीं शाम होते होते भीमा तालाब और नहर सहित जिला मुख्यालय के तालाबों में भी लोग दीप दान करते हुए नजर आए वहीं नेताजी चौक, कचहरी चौक, रेल्वे स्टेशन चौक सहित सभी मंदिरों में दीपक जलाए गए वहीं रात में लोगों ने अपने अपने घरों के सामने दीपक जलाकर तथा पटाखे फोड़कर दीपावली होने का अहसास कराया।

श्रीराम के आदर्शों पर चलकर संवारेंगे छत्तीसगढ़ - साय

शिवरीनारायण से मुख्यमंत्री तथा बड़ी संख्या में नागरिकों ने अयोध्या धाम में श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का किया दर्शन

मुख्यमंत्री ने शिवरीनारायण में कहा माँ शबरी के धैर्य और भक्ति के आगे हम सभी नतमस्तक

प्रधानमंत्री ने माँ शबरी के माध्यम से जगाया हर भारतीय में सक्षम भारत का विश्वास

जांजगीर-चांपा/छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस

पूरे राष्ट्र और दुनिया के सबसे ऐतिहासिक समारोह श्री रामलला के प्राणप्रतिष्ठा के अवसर का अवलोकन करने के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय छत्तीसगढ़ की पवित्र भूमि में से एक शिवरीनारायण पहुँचे जहां भगवान श्रीराम ने माता शबरी के जूठे बेर खाये थे। इस जगह पर उन्होंने प्राणप्रतिष्ठा कार्यक्रम का अवलोकन किया और अभिभूत हुए। शिवरीनारायण के नागरिकों के लिए अभिभूत करने वाले दो क्षण आये। पहला तो तब जब रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा हुई। दूसरा क्षण तब आया जब माता शबरी का जिक्र प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने उद्बोधन में किया। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि सुदूर कुटिया में जीवन गुजारने वाली मेरी आदिवासी माँ शबरी का ध्यान आते ही अप्रतिम विश्वास जागृत होता है। माँ शबरी तो कब से कहती थी राम आयेंगे। प्रत्येक भारतीय में जन्मा यही विश्वास सक्षम भव्य भारत का आधार बनेगा। यही तो है देव से देश और राम से राष्ट्र की चेतना का विस्तार। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि श्रीराम के आदर्शों पर चलकर हम छत्तीसगढ़ संवारेंगे। उल्लेखनीय है कि श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का उल्लास पूरे प्रदेश में नजर आया, शिवरीनारायण में भी नागरिक इस पवित्र क्षण में बहुत उत्साहित दिखे।

इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने संबोधन में कहा कि यह हम सबके लिए यह ऐतिहासिक क्षण है कि हम अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के ऐतिहासिक क्षण के गवाह बने हैं। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर सुंदर संबोधन भी दिया है और माता शबरी के धैर्य के माध्यम से हमें सीख दी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी बहुत सौभाग्यशाली हैं कि हमने श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की संपूर्ण प्रक्रिया को विस्तार से देखा। भगवान श्रीराम की अलौकिक बाल प्रतिमा का दर्शन हुआ। हम सब अभिभूत हुए। यह खुशी का क्षण इसलिए भी है कि हमने यह सब माता शबरी के पवित्र धाम शिवरीनारायण की पावन भूमि में देखा। एक पावन भूमि में हमने एक और पवित्र भूमि में होने वाले अद्भुत प्राण प्रतिष्ठा समारोह को देखा।

हमारे लिए यह सौभाग्य इसलिए भी बहुत बड़ा है कि छत्तीसगढ़ भगवान श्रीराम का ननिहाल है। माता कौशल्या की जन्मभूमि है। आज केवल भारत ही नहीं, पूरी दुनिया राममय हो गई है। दुनिया भर में सब अलग-अलग तरह से खुशियों की अभिव्यक्ति कर रहे हैं। हमारा सौभाग्य है कि हमने अपने धान के कटोरे से भगवान के भोग के लिए सुगंधित चावल भेजा है। छत्तीसगढ़ के राईस मिलर्स ने यह चावल भेजा है। बहुत खुशी की बात है कि ननिहाल के चावल से रामलला का भोग तैयार हुआ है। हमारे सेवाभावी डाक्टरों की टीम अयोध्या गई हुई है जो रामभक्तों के इलाज के सेवाकार्य में लगी हुई है। कल ही एक समूह और रवाना होगा जो अयोध्या धाम में 60 दिनों तक भंडारा चलाएगा। छत्तीसगढ़ में हम लोगों के लिए आज की घड़ी बहुत शुभ घड़ी है। हम श्रीराम के आदर्शों से प्रेरणा लेकर छत्तीसगढ़ को संवारने का काम करेंगे। इस मौके पर छत्तीसगढ़ प्रभारी ओम माथुर ने भी उपस्थित नागरिकों को संबोधित किया। श्री माथुर ने कहा कि आज जय श्री राम का जयघोष अयोध्या तक जाना चाहिए। शबरी माता की भूमि पर आयोजित इस पावन कार्यक्रम में उपस्थित सभी को अभिनंदन करता हूँ। हम सबका सौभाग्य है कि 500 वर्षों के त्याग, बलिदान का फल आज हमें मिला है। हमारा समाज समतापूर्ण रहा है। प्रभु राम ने कभी किसी के बीच भेद भाव नहीं किया। उन्होंने वनवासियों का आतिथ्य स्वीकार किया। यही हमारी संस्कृति है। आज हमारे लिए गौरव का दिन है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने जनसंपर्क विभाग की ओर से तैयार की गई कॉफी टेबल बुक ''हम सबके राम'' और कैलेंडर ''रामो विग्रहवान धर्मः'' का विमोचन भी किया। यह संग्रह श्रीराम के अयोध्या धाम से छत्तीसगढ़ में वनवास के दौरान की कथाओं पर आधारित है।

इस अवसर पर सांसद गुहाराम अजगल्ले, विधायक पामगढ़ श्रीमती शेषराज हरबंश, पूर्व सांसद श्रीमती कमला देवी पाटले, पूर्व विधायक श्री नारायण चंदेल, पूर्व विधायक श्री सौरभ सिंह, पूर्व विधायक श्री छतराम देवांगन, पूर्व गौसेवा आयोग के अध्यक्ष राजेश्री महंत डॉ रामसुन्दर दास, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती यनिता यशवंत चन्द्रा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री गुलाब सिंह चंदेल, श्री लीलाधर सुलतानिया, श्री अमर सुलतानिया, जनसम्पर्क आयुक्त श्री मयंक श्रीवास्तव, संभागायुक्त बिलासपुर श्रीमती शिखा राजपूत तिवारी, आईजी श्री अजय यादव, कलेक्टर श्री आकाश छिकारा, एसपी श्री विजय अग्रवाल, अपर कलेक्टर श्री एस पी वैद्य, जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आर के खुंटे सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी कर्मचारी, गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

रामनामियों ने अपना मोर मुकुट पहनाकर किया अभिनंदन

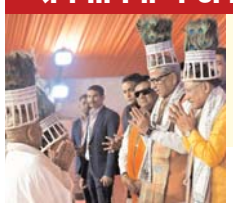

रामनाम को अपने अंग-अंग में हृदय में तथा चेतना में बसाने वाले रामनामी समुदाय के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को अपना परंपरागत मोर मुकुट पहनाकर अभिनंदन किया। उनके मोर मुकुट में राम नाम लिखा होता है। मुख्यमंत्री के साथ ही उन्होंने ओम माथुर को भी मोर मुकुट पहनाया।

शबरी के बेर लेकर अयोध्या गए रामभक्तों का मुख्यमंत्री के हाथों हुआ सम्मान

प्रधानमंत्री ने भी अपने उद्बोधन में माता शबरी को किया याद

जांजगीर-चांपा/छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस

अयोध्या में श्रीराम लला के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर आज शिवरीनारायण में कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, भाजपा के प्रदेश प्रभारी ओम माथुर भी उपस्थित रहे जिनके हाथों शबरीधाम से बेर लेकर अयोध्या गए रामभक्तों का सम्मान किया गया वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी अयोध्या में माता शबरी का जिक्र किया।

अयोध्या में श्रीराम लला के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर माता शबरी की नगरी शिवरीनारायण से 17 जनवरी को बेर एवं वटवृक्ष लेकर छत्तीसगढ़ के कोरबा और जांजगीर चांपा जिले के रामभक्त अयोध्या निकले थे जिनके द्वारा अयोध्या में श्रीराम मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को उक्त वटवृक्ष और बेर को दिया गया। आज श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम जब अयोध्या में आयोजित किया गया तो माता शबरी की नगरी शिवरीनारायण में मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सहित छत्तीसगढ़ भाजपा प्रभारी ओम माथुर भी उपस्थित रहे। जिनके द्वारा अयोध्याधाम से आए राम भक्तो जिन्होंने शिवरीनारायण से शबरी के मीठे बेर लेकर गये थे और सभी राम भक्तो द्वारा अयोध्या धाम से वहा की माटी लाई गई जो राम भगवान के आशीर्वाद का प्रतीक है। इन सभी राम भक्तो का मुख्यमंत्री एवं भाजपा प्रदेश प्रभारी के द्वारा स्वागत किया गया। इस अवसर पर महाराज मनोज शर्मा, अनूप यादव, मनोज शर्मा, संतोष गुप्ता, शिवचरण राठौर , सुमित शर्मा, मनीष चंद्रा, राजू नायर, बाबू, विनय यादव , जयप्रकाश यादव, दीपक साहू, उमेश यादव, अनिल महंत, विमलेश साहू, मनीष कर्ष, छोटेलाल साहू, विकास सिंह, मुकेश यादव, सर्वेश साहू, संजय कश्यप, दिग्विजय सिंह, एक देवेश यादव, राहुल यादव, सार्थक यादव, सुरेंद्र साहू, नवीन तिवारी, रघुराज केवट , कृष्णा साहू, सोनू श्रीवास, रब्रेश यादव, राहुल कर्ष, सुरेंद्र कर्ष, संजय कर्ष, नरेंद्र साहू अध्यक्ष (बीजेपी युवा मोर्चा नवागढ़ मंडल) रघुपाल सिंह (बीजेपी युवा मोर्चा महामंत्री) निरंजन कोशले, और पूरी युवा टीम उपस्थित रही। सभी राम भक्तो ने शबरी के मीठे बेर लेजाकर इतिहास रच दिया। संतोष गुप्ता ने बताया की मंदिर के ट्रस्टी ने जिस अंदाज में भावविभोर करने वाले अंदाज में पूरी टीम का स्वागत अयोध्याधाम में किया गया वह दृश्य बेहद स्नेही और वो पल अनमोल पल बन गया था। अनूप यादव ने पूरी टीम को इस सफल आयोजन करने के लिए साधुवाद दिया, शिवचरण राठौर ने कहा की निकट भविष्य में ऐसे ही श्रद्धा पूर्ण कार्यों का आगाज निरंतर किया जाता रहेगा।

मुख्यमंत्री का हेलीपेड पर किया गया आत्मीय स्वागत

जांजगीर-चांपा/छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का शिवरीनारायण पहुंचने पर हेलीपैड में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और ग्रामवासियों ने आत्मीय स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री बनने के बाद श्री साय का पहला जांजगीर-चांपा जिला आगमन है। मुख्यमंत्री श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह के उपलक्ष्य में हो रहे कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे हैं। मुख्यमंत्री के साथ ओम माथुर, महंत श्री रामसुंदर दास भी पहुंचे। सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। हेलीपेड पर सांसद गुहाराम अजगल्ले, पामगढ़ विधायक श्रीमती शेषराज हरवंश, संभागायुक्त बिलासपुर श्रीमती शिखा राजपूत तिवारी, आईजी अजय यादव, कलेक्टर आकाश छिकारा, पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में रामभक्त जनप्रतिनिधि एवं नागरिकों ने गुलदस्ता भेंटकर मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया।

स्वामी विवेकानंद उद्यान चांपा में किया गया दीपदान

जांजगीर-चांपा/छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस

स्वामी विवेकानंद उद्यान चांपा में भी दीपदान व रामलला की पूजा किया गया।

स्वामी विवेकानंद उद्यान ग्रुप ने सुबह मॉर्निंग वॉक करने वालो ने भी प्रभु श्रीराम लला का पूजा अर्चना दीपदान किए। कार्यक्रम शुभारंभ कृष्णकुमार देवांगन व राजेन्द्र जायसवाल राज्यपाल से सम्मानित शिक्षक व्दारा प्रभु श्री रामलला प्रतिमा पर फुलमाला दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया ततपश्चत उद्यान में उपस्थित सभी दीपदान किए उसके पश्चात आरती फिर प्रसाद वितरण किया गया श्री रामलला के कार्यक्रम सफल बनाने में राजेन्द्र जायसवाल,परमेश्वर स्वर्णकार राष्टपति पुरस्कृत शिक्षक, प्रदीप श्रीवास,हरि प्रसाद विश्वकर्मा, कृष्ण कुमार देवांगन, रूपनारायण यादव, बहादुर देवांगन ,शिवराज जायसवाल ताड़ी वाला , रामकिशन देवांगन,लक्ष्मी चन्द देवांगन, बसंत महंत, एस के सिगं, गार्डन के सेवक सुनील पटेल जी, श्रीमती कामिनी जायसवाल ,श्रीमती पुष्पा देवांगन श्रीमती शांति देवांगन, श्रीमती द्रौपदी देवांगन, श्रीमती संगीता देवांगन ,मुन्नी देवांगन, गायत्री देवांगन, आशा देवांगन, हेमा देवांगन, शारदा राजपूत , शीतल देवांगन, अनुसुइया देवांगन ,चन्द्रा साहू, भानू विश्वकर्मा,पूरन सिहं राजपूत, नरेन्द्र सिंह, अनिल देवांगन, दयाराम थवाईत, कल्लू विश्वकर्मा,डॉ जी पी दुबे, विजय लहरे विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी नवांगढ़, शिव हंसराज, महाराज श्रीया फोटो ,विनोद भाई गैस एजेन्सी,धनीराम वाद्यक, ठाकुर देवांगन पूनम राय, जब्बल मैम ,रोहित चन्द्रवंशी, विरेंद्र सिंह यादव,आदि ने राष्ट्रगान करने के पश्चात रामलला का पूजा अर्पण कर दीप दान आरती कर प्रसाद वितरण किया गया इसमें नारी शक्तियों का विशेष सहयोग रहा। स्वामी विवेकानंद उद्यान में प्रतिदिन 5:30 से 6:00 तक भजन एवं 6:15 पर राष्ट्रगान स्वामी विवेकानंद उद्यान ग्रुप के द्वारा किया जाता है राष्ट्रगान उद्यान के सभी व्यक्तिओ व्दारा सावधान की स्थिति में खड़ा होकर राष्ट्रगान करते हैं राष्ट्रगान प्रतिदिन किया जा रहा है यह अनवरत लगभग 2 वर्ष पूर्ण होने वाला है।

राम-राम की गूंज से राममय हुआ रामनामी मेला

जैजैपुर/छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस

नवगठित जिले सक्ती के जैजैपुर और मालखरौदा ब्लॉक के ग्राम कुरदी में आज दूसरे दिन भी रामनामी मेले में लगातार राम-राम-राम की गूंज होती रही। रामनामी समुदाय से जुड़े लोग भजन-कीर्तन और रामायण का जाप करते हुए भगवान राम के संदेश को प्रेम और सदभाव से सबके जीवन में उतार रहे थे। इस दौरान हजारो लोगों ने रामनामी आस्था के प्रतीक जैतखाम का दर्शन और यहाँ पूजा कर सुख-समृद्धि की मनोकामना की। अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा से बने आध्यात्मिक माहौल की झलक और सबके सुख-शांति, मानवता का संदेश यहाँ भी महसूस हो रहा था।

रामनामियों द्वारा आयोजित बड़े भजन मेला और संत समागम में बड़ी संख्या में आसपास सहित दूरदराज के लोगों ने अपनी मौजूदगी दी। जैजैपुर सहित कुरदी में राम-राम का उल्लास और उत्साह आने वालों में बना रहा। रामनामियों द्वारा अपने प्रभु राम को अपने विशेष अंदाज में पूजा। राम-राम-राम लिखे वस्त्रों को धारण कर, सिर पर मोरपंख के साथ मुकुट पहनकर वे आस्था के बहुत गहराइयों में डूबे हुए नजर आए।

रामनामी गुलाराम ने बताया कि हमारा यहीं संदेश है कि लोग आपस में मिलजुलकर रहे, आपस में प्रेम करे और इंसानों के बीच जो दूरियां जात-पात के नाम पर है, वह मिटे। उन्होंने कहा कि हमने और हमारे पीढ़ियों ने राम को जीवन में उतार लिया है। मेले में आए दादू राम ने बताया कि वे सपरिवार यहाँ आए हैं, यहाँ विशेष सुख की अनुभूति होती है। रामनामियों को इस रूप में देख के लगता है कि ये कोई सामान्य व्यक्ति नहीं है बल्कि प्रभु राम के दूत है। कोरबा से आये प्रकाश दास का कहना है कि किसी के शरीर पर जब कोई छोटा सा दाग लग जाता है तो उन्हें मिटाने के लिए तरह-तरह की दवाइयां लगाते हैं, कोई प्लास्टिक सर्जरी तक कराता है, लेकिन यहाँ इन्होंने अपने शरीर में दर्द को सहकर भी आजीवन राम-राम लिखवाया है। यह कोई छोटी सी बात नहीं है, यह तो राम के सबसे बड़े भक्त और उन्हें मानने वाले ही कर सकते हैं। उनका कहना है कि लोगों को रामनामियों का दर्शन अवश्य करना चाहिए, क्योंकि इनके दर्शन मात्र से ही सच्चाई का बोध होता है और राम-राम के प्रति मन में आस्थाओं की दीप जलती है। ग्राम मोहतरा के वृद्ध खोलबहरा ने अपने माथे में राम-राम लिखवाया है। उन्होंने बताया कि कुरदी में रामनामी मेला की जानकारी मिलते ही वे रामनामियों के दर्शन के लिए आए है। पाँच बार रामायण का पाठ कर चुके खोलबहरा बताते है कि यह शान्ति और सद्भावना का मेला है। यहाँ आने के बाद रामनामियों का जीवन आपको प्रेरणा देगा। मेले के दूसरे दिन बड़ी संख्या में बच्चे, महिलाएं सहित युवाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। मेले में व्यंजनों के स्टॉल, झूले, जरूरतों के सामान से सजी दुकानों और मनोरंजन के साधनों पर भी भारी भीड़ रही।

छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस में ईश्तहार/कोर्ट नोटिस/ आम सूचना प्रकाशन के लिए संपर्क करें
मो. 7489405373

छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस

रायपुर और जांजगीर से एक साथ प्रकाशित

आपका अपना अखबार-आपका अपना समाचार

मंगलवार, 23 जनवरी 2024

प्रधान संपादक : राजेश सिंह क्षत्री

dainikchhattisgarhexpress@gmail.com

छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस में सभी प्रकार के विज्ञापनों के लिए संपर्क करें
संपादक
मो. 7489405373

सार समाचार

राम रंग में रंगा छत्तीसगढ़ दिवाली जैसा माहौल

रायपुर। पांच सौ वर्ष के लंबे संघर्ष के बाद सोमवार को प्रभु श्रीराम के भक्तों का सपना साकार हो रहा है। अयोध्या में सोमवार को श्री राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है, जिसके लिए जिले भर में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। हर घर-दुकान में जहां दीपमाला की जाएगी, वहीं शहर के सभी मंदिरों व बाजारों को मनमोहक अंदाज में सजाया गया है। दीवाली जैसा माहौल राज्य के पूरे शहर में होगा व जिला राम रंग में रंगा नजर आ रहा है। हर गली मोहल्ले को भगवान राम के झंडों से सजाया गया है। मंदिरों में फूलों की मनमोहक सजावट की गई है।

मंदिरों में श्री रामोत्सव पर विशेष कार्यक्रम जैसे श्री रामचरित्र मानस के पाठ, सुंदरकांड के पाठ, श्री हनुमान चालीसा का पाठ, रामायण का पाठ व कीर्तन इत्यादि किए जाएंगे। रायपुर के वीआईपी रोड स्थित राम मंदिर, नवा रायपुर, बिलासपुर, रतनपुर, राजिम, अम्बिकापुर, राजनांदगांव, दुर्ग-भिलाई, बालोद,धमतरी, गरियाबंद, जगदलपुर, कांकेर कबीरधाम, चारामा, चिरमिरी जांजगीर-चापा जैसे तमाम शहरों को सजाया गया है।

बसस्टैंड पार्किंग की जिम्मेदारी महिला समूह को

रायपुर। राजधानी रायपुर के अंतर्राज्यीय बसस्टैंड में पार्किंग शुल्क के नाम पर होने वाली अवैध वसूली एवं गुंडागर्दी से आम लोगों को राहत मिलेगी, क्योंकि पार्किंग की जिम्मेदारी एक महिला समूह को दी गई है।

यह समूह दिन में दो शिफ्ट में ड्यूटी करेगी, वहीं रात में महिला समूह के परिवार के पुरुष सदस्य ड्यूटी करेंगे। महिला समूह की ड्यूटी लगाने के साथ पार्किंग शुल्क में भी आम लोगों को राहत दी गई है। सवारी छोड़ने आने जाने वाले वाहन चालकों से कोई शुल्क नहीं लिया जा रहा है। इस तरह महिला समूह को पार्किंग की जिम्मेदारी मिलने से लोगों में भी खुशी देखी जा रही है।

श्री रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने दूधाधारी मठ में किया राम-दरबार का दर्शन

रायपुर/छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस

अयोध्या में हो रही श्री रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज सवेरे राजधानी रायपुर स्थित दूधाधारी मठ पहुंचकर राम-दरबार का दर्शन किया। उन्होंने गौ माता की भी पूजा-अर्चना कर उन्हें भोग लगाया।

श्री रामलला महोत्सव का मुख्य कार्यक्रम जांजगीर-चांपा जिले के शिवरीनारायण में आयोजित किया गया है। मुख्यमंत्री श्री साय वहीं शामिल होकर वर्चुअल माध्यम से अयोध्या में हो रही प्राण-प्रतिष्ठा के दर्शन करेंगे। शिवरीनारायण के लिए रवाना होने से पूर्व मुख्यमंत्री सुबह दूधाधारी मठ पहुंचे थे। उन्होंने मठ में भगवान के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और समस्त प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि शांति और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने अयोध्या में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए सभी नागरिकों को बधाई और शुभकामनाएं दी है। उन्होंने मठ में स्थापित भगवान श्री राम जानकी, श्री स्वामी बालाजी और संकट मोचन हनुमान जी सहित अन्य देवताओं की पूजा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अयोध्या में श्रीराम जी प्रतिष्ठित हो रहे हैं, पूरा देश और अयोध्या राममय हो गया है। यह मेरा सौभाग्य है कि 500 साल पुराने राजधानी रायपुर स्थित दूधाधारी मठ में आने का सुअवसर प्राप्त हुआ है।

दूधाधारी मठ के प्रमुख राजेश्री महंत रामसुंदर दास ने कहा कि आज दूधाधारी मठ को अयोध्या का स्वरूप दिया गया है। अयोध्या में भगवान राम लगभग 500 साल बाद गर्भगृह में स्थापित हो रहे हैं। मंदिर परिसर में स्थापित स्वामी बालाजी एवं श्री राम जानकी को आज के विशेष अवसर पर स्वर्ण श्रृंगार से सुसज्जित किया गया है। उन्होंने बताया कि राम नवमी, कृष्ण जन्माष्टमी और विजयादशमी के विशेष अवसर पर ही साल में तीन बार दूधाधारी मठ में स्वामी बालाजी और श्रीराम जानकी को स्वर्ण श्रृंगार से सुसज्जित किया जाता है।

इस अवसर पर सांसद श्री सुनील सोनी, रायपुर (उत्तर) के विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, धरसींवा विधायक श्री अनुज शर्मा, जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

युवक से मारपीट

रायपुर/छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस। कैलाश नगर बीरगांव में पुरानी रंजिश के चलते दो युवकों ने एक युवक से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर उरला पुलिस ने आरोपियों के खिलाफअपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी कृष्णा पांडे 19 वर्ष कैलाश नगर बीरगांव का रहने वाला है। बताया जाता है कि आरोपी जीतू साहू अपने दोस्त के साथ प्रार्थी के पास आया और पुरानी रंजिश के चलते प्रार्थी से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर उरला पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 294, 506, 323, 34 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

दो पक्ष आपस में भिड़े

रायपुर/छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस। ग्राम जरौद में पूर्व विवाद को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गए। दोनों पक्षों की शिकायत पर विधानसभा पुलिस ने काउंटर अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार पहले पक्ष से ग्राम जरौद निवासी संजय साहू 32 वर्ष ने थाना में शिकायत किया कि आरोपी उदयराम साहू अपने दो साथियों के साथ मिलकर पूर्व विवाद को लेकर प्रार्थी से गाली-गलौज कर मारपीट किया। वहीं दूसरे पक्ष से प्रार्थी उदयराम साहू 19 वर्ष ने थाना में शिकायत किया कि आरोपी संजय साहू अपने दो साथियों के साथ मिलकर प्रार्थी से गाली-गलौज कर मारपीट किया। दोनों पक्षों की शिकायत पर विधानसभा पुलिस ने काउंटर अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

अवैध शराब के साथ युवक गिरफ्तार

रायपुर/छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस। उरला पुलिस ने सिंघानिया चौक के पास अवैध शराब के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 30 पाव देशी शराब जब्त किया है।

मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि सिंघानिया चौक के पास एक युवक अवैध रूप से शराब बेच रहा है। सूचना पर मौके में पहुंची पुलिस ने आरोपी गणेश पारधी 35 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 30 पाव देशी शराब जब्त किया है। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

चाकू लहराते युवक पकड़ाया

रायपुर/छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस। उरला पुलिस ने कैलाश नगर में चाकू लहराते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चाकू जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली कि कैलाश नगर में एक युवक चाकू लेकर आम लोगों को डरा धमका रहा है। सूचना पर मौके में पहुंची पुलिस ने आरोपी हरीश साहू 20 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चाकू जब्त कर आर्म्स एक्ट की धारा 25, 27 के तहत कार्रवाई की है।

रायपुर में यातायात और थाना पुलिस ने स्टूडेंट्स को बताया- ऐसे करें ट्रैफ्फिक रूल्स का पालन

रायपुर/छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस। छत्तीसगढ़ मेंसड़क दुर्घटना को देखते हुए प्रशासन विभाग की ओर से सड़क सुरक्षा अभियान चलाया जा रहा है। सड़क सुरक्षा सप्ताह माह 15 जनवरी से 14 फरवरी तक आयोजन किया जाएगा। इस दौरान थाना मंदिर हसौद और यातायात पुलिस एक निजी विश्वविद्यलाय पहुंची, थाना प्रभारी रोहित मालेकर और यातायात से रिसोर्स पर्सन के रूप मे पहुंचे सहायक उपनिरीक्षक टीएल भोई के ने छात्र छात्राओ और कॉलेज प्रबंधन को यातायात के नियमों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं को सड़क पर तेज गति और लापरवाही पूर्वक स्टंटबाजी करते हुए वाहन न चलाने, वाहन चलाते समय मोबाइल फेन का इस्तेमाल न करने, शराब पीकर वाहन न चलाने, दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट लगाने, चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का उपयोग करने, नाबालिग बच्चो को वाहन चलाने न देने, यातायात के नियमों और संकेतो का पालन करने के संबंध मे बताया गया। इस दौरान छात्र छात्राओं से यातायात नियमों का पालने करते हुए वाहन चलाने की अपील भी की गई। यातायात के नियमों के अनदेखी से सड़क हादसों के कारण परिवार समाज को होने वाली क्षति की जानकारी देते हुए उन्हें जागरूक किया गया। उन्हें गुड सेमेरिटन लॉ के बारे मे बताया गया, साथ ही यातायात जागरूकता से संबंधित पाम्प्लेट का वितरण भी किया गया।

अयोध्या की संस्था छत्तीसगढ़ में संचालित कर रही सीताराम बैंक

रायपुर/छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एक ऐसा बैंक हैं, जहां पैसे नहीं बल्कि 'राम' नाम जमा है। दो साल पहले शुरू हुए इस बैंक में 1084 खातेदार हैं, जिनके खातों में करीब 1 अरब राम नाम जमा हो गए हैं। यहां उपभोक्ता और संचालक दोनों राम के भक्त हैं। आमतौर पर जहां कॉपी-किताबों को चूहे कुतर जाते हैं वहीं, यहां राम नाम लिखी कॉपियां चूहे नहीं कुतरते। इसके पीछे भी मान्यता है। भक्तों को कोरी कॉपियां मुफ्त में मिलती है और उसमें राम नाम लिखकर वे बैंक में जमा करते हैं। इस बैंक का मकसद लोगों को आध्यात्म से जोड़ना है। श्री सीता राम मंदिर गोंड़पारा के महंत और रामनाम बैंक के संचालक दिवंगत डॉ. लक्ष्मण शरण महाराज पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में प्रोफेसर थे।

नक्सलियों ने 23 को बस्तर और सरगुजा संभाग बंद करने फेंके पर्चे

रायपुर/छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस। नक्सलियों ने 23 जनवरी को छत्तीसगढ़ के बस्तर और सरगुजा संभाग में बंद का आह्वान किया है। बस्तर के बीजापुर जिले में क्रॉस फायरिंग में मासूम की मौत, हसदेव में जंगल कटाई और राम मंदिर का इस्तेमाल चुनाव में करने के विरोध में नक्सलियों ने बस्तर और सरगुजा संभाग बंद आह्वान किया है। नक्सली लीडर मंगली ने प्रेस नोट जारी कर राज्य और केंद्र सरकारों पर भी कई आरोप लगाए हैं। उत्तर सब जोनल ब्यूरो की प्रवक्ता और हार्डकोर नक्सली मंगली के प्रेस नोट में लिखा है कि, 1 जनवरी 2024 को मुदवेंडी गांव में पुलिस ने अंधाधुंध फायरिंग की थी। पुलिस की गोली लगने से ही 6 माह की मासूम की मौत हुई है। लेकिन पुलिस इसे क्रॉस फायरिंग बता रही है। बच्ची को न्याय दिलाने की मांग को लेकर लगातारा गांव वाले आंदोलन कर रहे हैं।

स्कूल जमीन को लेकर दो पक्षों में विवाद

रायपुर/छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस। राजधानी के आमानाका इलाके में एक स्कूल की जमीन को लेकर उपजे विवाद में दो पक्षों के बीच जमकर झड़प हो गई। वहीं एक पक्ष की महिला ने दूसरे पक्ष के एक व्यक्ति को थप्पड़ मार दिया। दोनों पक्षों की शिकायत पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर प्रकरण जांच में लिया है।

जय श्री राम के उद्घोष से राममय हुआ दूधाधारी मठ प्रांगण

बृजमोहन समेत हजारों भक्तों ने ''श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा'' का देखा लाइव प्रसारण

रायपुर/छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस

मठपारा के दूधाधारी मठ में आज ''श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम'' का आयोजन किया गया, जहाँ संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल ने जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारियों एवं दूर-दूर से रामलला के दर्शन करने आये हजारों भक्तजनों के साथ ''अयोध्या'' में ''राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा'' का लाइव प्रसारण देखा। कार्यक्रम में लगातार ''जय श्री राम'' का उद्घोष होता रहा और अपार जनसमूह ने राममय वातावरण में हर्ष उल्लास के भावावेश में नम आँखों से श्री रामलला को अपने अयोध्या के मंदिर में प्रतिष्ठित होते देखा और नमन किया। अपार जनसमूह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ ''श्री राम'' की पूजा में शामिल हुआ। कभी हजारों हाथों ने जुड़कर प्रणाम किया तो कभी सभी के हाथ हवा में ऊपर उठ गए और कभी वही हाथ श्री राम के भजन पर मंत्रमुग्ध हो ताल देने लगे. उत्साहित भक्तजन श्प्राण प्रतिष्ठाश् के पुरे कार्यक्रम के दौरान खड़े रहे और इस अद्वितीय अवसर के साक्षी बनने का गौरव हासिल किया।

कार्यक्रम की शुरुआत पर्यटन एवं संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल द्वारा दूधाधारी मठ में पूजा अर्चना करने से हुई. श्री अग्रवाल ने कहा कि, ''ये जो उत्साह और उल्लास का वातावरण है, ये कोई व्यक्ति नहीं बना सकता। प्रभु श्री राम स्वयं आज देश को आशीर्वाद देने पधारे हैं। प्रभु राम के ननिहाल छत्तीसगढ़ में मैं सबको बधाई देता हूँ, प्रभु राम आये हैं। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की है और इस अवसर पर आज पूरा देश आल्हादित है। मैं सभी छत्तीसगढ़वासियों को बहुत बहुत बधाई और शुभकामनायें देता हूँ और निवेदन करता हूँ कि शाम को हम इस त्यौहार को दीपावली स्वरुप मनाये, घर-घर में दीपक जलाएं, हम सरयू जी, गंगा जी की आरती करें, पटाखें फोड़े, और उत्सव मनाकर प्रभु रामलला का स्वागत करें।'' 'श्री रामलला दर्शन योजना' के बारे में श्री अग्रवाल ने कहा कि, ''हमने तय कर लिया है कि छत्तीसगढ़ की सरकार अयोध्या दर्शन करवाएगी और संपूर्ण व्यवस्था के साथ जल्द ही करवाएगी।''

कार्यक्रम में शामिल होने न सिर्फ रायपुर से बल्कि आसपास के गाँव से भी सैकड़ों की संख्या में लोग आये थे। भक्तों में छोटे-छोटे बच्चे भी थे, जो अपने माता-पिता के साथ श्री राम एवं माता सीता की तरह तैयार होकर इठला रहे थे वहीँ ऐसे बुजुर्ग भी, जिनका वर्षों से अयोध्या में रामलला का मंदिर देखने का सपना आज सच हुआ। कचना से आये सेवानिवृत रेल्वे कर्मचारी श्री गोवर्धन साहू ''प्राण प्रतिष्ठा'' का लाइव प्रसारण देखते हुए भावावेश में बार-बार रो पड़ते थे। उन्होंने कहा कि अब बस एक बार अयोध्या जाकर श्री राम के दर्शन करने का सपना शेष है। छत्तीसगढ़ सरकार की ''रामलला दर्शन योजना'' ने उन्हें उम्मीद दी है की वो भी अपने परिवार के साथ अयोध्या जाकर भगवान का दर्शन लाभ ले पाएंगे। बी.ए. फाइनल की छात्रा सुश्री हर्षा निषाद ने कहा कि वो केवट हैं और केवट और श्री राम का सम्बन्ध तो सभी जानते हैं। उन्होंने कहा कि मुझे बहुत खुशी हो रही है की आज अपने घर में श्री राम स्थापित हो रहे हैं।

कुपोषण दूर करने के लिए फोर्टिफाइड फसलों का उपयोग किया जाए - डॉ. चंदेल

कृषि विश्वविद्यालय में कृषि, पोषण एवं लोक स्वास्थ्य विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

रायपुर/छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कहा है कि आज हमारा देश खाद्यान्न उत्पादन के मामले में आत्मनिर्भर हो गया है और लोगों को पर्याप्त मात्रा में खाद्य सुरक्षा प्राप्त हो रही है लेकिन फिर भी हमारा देश कुपोषण से जूझ रहा है। इसका प्रमुख कारण खाद्य पदार्थों में आवश्यक पोषक तत्वों की कमी होना है। उन्होंने कहा कि कुपोषण दूर करने के लिए यह आवश्यक है कि फोर्टिफाईड फसलों एवं खाद्य पदार्थों का उपयोग किया जाए। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों एवं जैव प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों से आव्हान किया कि वे विभिन्न फसलों की फोर्टीफाईड किस्में विकसित करें जो लोगों को अधिक मात्रा में पौष्टिक तत्व प्रदान करने में सक्षम हों। उन्होंने कहा कि स्कूलों तथा आंगनबाडी केन्द्रों में में मध्यान्ह भोजन उपलब्ध कराये जाने वाले भोजन में फोर्टीफाईड खाद्य पदार्थों का उपयोग किया जाना चाहिए। डॉ. चंदेल इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के 38वें स्थापना दिवस के अवसर पर बायोटेक्नालॉजी विभाग एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से कृषि, पोषण एवं लोक स्वास्थ्य विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यशाला में राज्य शासन के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, चिकित्सा शिक्षा विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग के विभिन्न अधिकारी, चिकित्सक, कृषि वैज्ञानिक, जैव प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ, उद्योगपति, स्वंय सेवी संगठनों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थी उपस्थित थे।

कृषि विश्वविद्यालय के संचालक अनुसंधान डॉ. विवेक कुमार त्रिपाठी ने इस अवसर पर कहा कि वर्तमान जनसंख्या वृद्धि की दर को देखते हुए यह अनुमानित है कि वर्ष 2047 तक देश की जनसंख्या लगभग 165 करोड़ होगी। इतनी बड़ी जनसंख्या के लिए खाद्य एवं पोषण सुरक्षा उपलब्ध कराना एक बड़ी चुनौती होगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए कृषि वैज्ञानिकों एवं बायोटेक्नोलॉजिस्ट को मिलकर काम करना होगा तथा फसलों की अधिक उत्पादन एवं पोषण देने वाली किस्में विकसित करनी होगी। पं. जवाहर लाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय के समुदायिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. प्रशान्त जायसवाल ने पोषण की चुनौतियों एवं इसके लोक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय लोगों में काफी बड़ी संख्या में एनिमिया पाया जाता है, जिसकी रोकथाम के लिए प्रोटीन समृद्ध भोजन लिया जाना चाहिए जिससे आयरन एवं फोलिक एसिड का शरीर में पर्याप्त मात्रा में अवशोषण हो सके। पं. जवाहर लाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय के एनिमिया विशेषज्ञ डॉ. शैलेन्द्र अग्रवाल ने एनिमिया के विभिन्न पहलुओं तथा इसके कारण होने वाले स्वास्थ्यगत समस्याओं के बारे में जानकारी दी तथा एनिमिया से लड़ने के तरीकों पर प्रकाश डाला। गोयेल्ड फोज़न फूड्स के प्रमुख डॉ. राकेश मिणा ने पोषक समृद्ध खाद्य पदार्थों के विकास, संभावनाओं तथा चुनौतियों पर चर्चा की। ''फार्म टू फोर्क सॉल्यूशंस'' मुम्बई के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. उमेश कांबले ने खाद्य सुरक्षा एवं एफ.एस.एस.ए.आई. संस्था की भूमिका पर प्रकाश डाला। कृषि विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सतीश वेरूलकर ने विभिन्न प्रकार के फोर्टीफाईड्स फूड्स के बारे में जानकारी देते हुए मानव स्वास्थ्य पर फोर्टीफाईड खाद्य पदार्थों के प्रभाव पर प्रकाश डाला। उन्होंने फोर्टीफाईड चावल के दानों के विकास तथा इन्हें सामान्य चावल में मिश्रित करने के उचित तरीके के बारे में जानकारी दी।

संपादकीय

दो लाख रुपए देने का नीतीश का चुनावी जुमला

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य में हुए आर्थिक, सामाजिक सर्वे के आंकड़े पेश करते हुए पिछले साल के आखिर में बिहार की भयंकर गरीबी की सचाई जाहिर की थी। उस समय उन्होंने बताया था कि राज्य में 94 लाख परिवार ऐसे हैं, जिनकी मासिक आय छह हजार रुपए से कम है। ऐसे परिवार को नीतीश कुमार ने दो दो लाख रुपए देने का ऐलान किया था। अब उनकी सरकार ने इसका फैसला कर लिया है और अगले महीने से गरीब परिवारों को दो दो लाख रुपए दिए जाएंगे। सरकार ने बताया है कि लघु या कुटीर उद्योग के लिए यह पैसा दिया जाएगा और सरकार इसे वापस नहीं लेगी। यानी यह कर्ज नहीं है, बल्कि छोटा मोटा कारोबार शुरू करने के लिए अनुदान है। ध्यान रहे जिस समय नीतीश कुमार ने इसका ऐलान किया उससे थोड़े दिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम विश्वकर्मा योजना की घोषणा की थी, जिसक लिए कारीगर जातियों को छोटी छोटी मदद दी जाएगी ताकि वे अपना कोई काम धंधा शुरू कर सकें। नीतीश की योजना उसी का जवाब है। लेकिन भारत सरकार की योजना जहां 14 हजार करोड़ रुपए की है वहीं नीतीश कुमार की योजना दो लाख करोड़ रुपए की है। अब सवाल है कि करीब एक करोड़ परिवारों को दो दो लाख करोड़ रुपए देने के लिए बिहार सरकार के पास पैसा कहां से आएगा? बिहार सरकार का बजट दो लाख 62 हजार करोड़ रुपए का है। अगर पांच साल में दो लाख करोड़ रुपए बांटने हैं तो हर साल 40 हजार करोड़ रुपए इसमें से कहां से निकलेगा? क्या सरकार कर्ज लेगी? बिहार का कर्ज पहले से जीडीपी के 38 फीसदी तक पहुंच गया है और बजट का बड़ा हिस्सा कर्ज का ब्याज चुकाने में जा रहा है। तभी सरकार का दो लाख रुपए बांटने की योजना चुनावी जुमला लग रही है, जिसमें थोड़े बहुत पैसे चुनाव तक बांटे जाएंगे। पहले चरण में फरवरी में पांच लाख परिवारों को 50-50 हजार रुपए दिए जाएंगे और अप्रैल में दूसरे चरण में 20 लाख परिवारों को 50-50 हजार रुपए दिए जाएंगे। अभी इतने भर के लिए फंड आवंटित होने की खबर है। गौरतलब है कि अप्रैल-मई में लोकसभा का चुनाव है। जिनको यह पैसा मिलेगा वे इसका दूसरा इस्तेमाल न करें और जिम्मेदारी के साथ वह काम करें, जिसके लिए उन्हें पैसा दिया जा रहा है, इसकी मॉनिटरिंग का कोई सिस्टम नहीं है।

> अब उनकी सरकार ने इसका फैसला कर लिया है और अगले महीने से गरीब परिवारों को दो दो लाख रुपए दिए जाएंगे। सरकार ने बताया है कि लघु या कुटीर उद्योग के लिए यह पैसा दिया जाएगा और सरकार इसे वापस नहीं लेगी। यानी यह कर्ज नहीं है, बल्कि छोटा मोटा कारोबार शुरू करने के लिए अनुदान है। ध्यान रहे जिस समय नीतीश कुमार ने इसका ऐलान किया उससे थोड़े दिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम विश्वकर्मा योजना की घोषणा की थी, जिसक लिए कारीगर जातियों को छोटी छोटी मदद दी जाएगी ताकि वे अपना कोई काम धंधा शुरू कर सकें। नीतीश की योजना उसी का जवाब है। लेकिन भारत सरकार की योजना जहां 14 हजार करोड़ रुपए की है वहीं नीतीश कुमार की योजना दो लाख करोड़ रुपए की है। अब सवाल है कि करीब एक करोड़ परिवारों को दो दो लाख करोड़ रुपए देने के लिए बिहार सरकार के पास पैसा कहां से आएगा? बिहार सरकार का बजट दो लाख 62 हजार करोड़ रुपए का है।

23 जयंती नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयंती पर विशेष

क्रांतिकारी योद्धा थे नेताजी सुभाष चन्द्र बोस

रमेश सर्राफ धमोरा

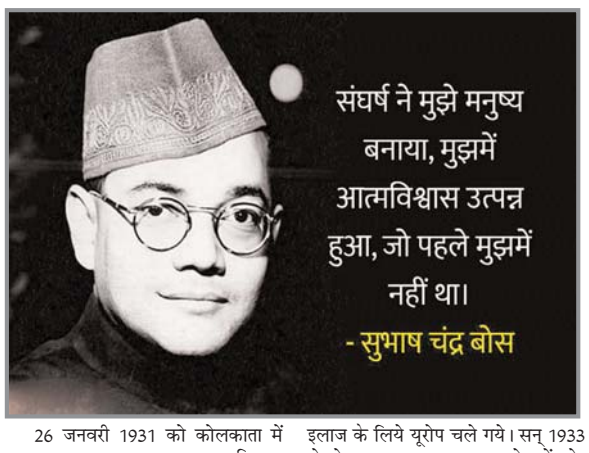

आजादी की जंग में प्रमुख भूमिका निभाने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और महान क्रांतिकारी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 23 जनवरी को 126 वीं जयंती मनाई जा रही है। उनकी जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनका पूरा जीवन ही साहस व पराक्रम का उदाहरण है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 को उड़ीसा में कटक के एक संपन्न बंगाली परिवार में हुआ था। बोस के पिता का नाम जानकीनाथ बोस और मां का नाम प्रभावती था। जानकीनाथ बोस कटक शहर के मशहूर वकील थे। प्रभावती और जानकीनाथ बोस की कुल मिलाकर 14 संतानें थी, जिसमें 6 बेटियां और 8 बेटे थे। सुभाष चंद्र उनकी नौवीं संतान और पांचवें बेटे थे। नेताजी ने अपनी प्रारंभिक पढ़ाई कटक के रेवेंशॉव कॉलेजिएट स्कूल में हुई। तत्पश्चात् उनकी शिक्षा कलकत्ता के प्रेजिडेंसी कॉलेज और स्कॉटिश चर्च कॉलेज से हुई। उनको उन्होने इंग्लैंड के केंब्रिज विश्वविद्यालय से सिविल सर्विस की परीक्षा में चैथा स्थान प्राप्त किया था।

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस द्वारा दिया गया जय हिन्द का नारा भारत का राष्ट्रीय नारा बन गया है। तुम मुझे खून दो मैं तुम्हे आजादी दूंगा का नारा भी उनका उस समय अत्यधिक प्रचलन में आया। 1921 में भारत में बढ़ती राजनीतिक गतिविधियों का समाचार पाकर बोस ने सिविल सर्विस की सरकारी नौकरी छोड़ कर कांग्रेस से जुड़ गए। 1928 में जब साइमन कमीशन भारत आया तब कांग्रेस ने उसे काले झण्डे दिखाये। कोलकाता में नेताजी ने इस आन्दोलन का नेतृत्व किया। साइमन कमीशन को जवाब देने के लिये कांग्रेस ने भारत का भावी संविधान बनाने का काम आठ सदस्यीय आयोग को सौंपा। मोतीलाल नेहरू इस आयोग के अध्यक्ष और सुभाष बोस उसके एक सदस्य थे।

26 जनवरी 1931 को कोलकाता में राष्ट्र ध्वज फहराकर सुभाष एक विशाल मोर्चे का नेतृत्व कर रहे थे तभी पुलिस ने उनको जेल भेज दिया। जब सुभाष बोस जेल में थे तब गांधी जी ने अंग्रेज सरकार से समझौता किया और सब कैदियों को रिहा करवा दिया। लेकिन अंग्रेज सरकार ने सरदार भगत सिंह जैसे क्रान्तिकारियों को रिहा करने से साफ इन्कार कर दिया। भगत सिंह की फांसी माफ कराने के लिये गांधी जी ने सरकार से बात तो की परन्तु नरमी के साथ। सुभाष चाहते थे कि इस विषय पर गांधीजी अंग्रेज सरकार के साथ किया गया समझौता तोड़ दें। लेकिन गांधीजी अपना वचन तोडने को राजी नहीं थे। अंग्रेज सरकार द्धारा भगत सिंह व उनके साथियों को फांसी दे दी गयी। भगत सिंह को बचा नहीं पाने पर सुभाष बोस गांधीजी और कांग्रेस से बहुत नाराज हो गये।

1930 में सुभाष कारावास में रहते हुये ही कोलकाता महापौर का चुनाव जीतने पर सरकार उन्हें रिहा करने पर मजबूर हो गयी। 1932 में सुभाष को फिर से कारावास हुआ। इस बार उन्हें अल्मोड़ा जेल में रखा गया। अल्मोड़ा जेल में उनकी तबियत फिर से खराब होने पर सुभाष इलाज के लिये यूरोप चले गये। सन् 1933 से लेकर 1936 तक सुभाष यूरोप में रहे। यूरोप में सुभाष इटली के नेता मुसोलिनी से मिले। जिन्होंने उन्हें भारत के स्वतन्त्रता संग्राम में सहायता करने का वचन दिया।

1938 में गांधीजी ने कांग्रेस के हरिपुरा वार्षिक अधिवेशन में अध्यक्ष पद के लिए सुभाष को चुना तो था मगर उन्हें उनकी कार्यपद्धति पसन्द नहीं आयी। इसी दौरान यूरोप में द्वितीय विश्वयुद्ध के बादल छा गए थे। सुभाष चाहते थे कि इंग्लैंड की इस कठिनाई का लाभ उठाकर भारत का स्वतन्त्रता संग्राम अधिक तीव्र किया जाये। उन्होंने अपने अध्यक्षीय कार्यकाल में इस ओर कदम उठाना भी शुरू कर दिया था। परन्तु गांधीजी इससे सहमत नहीं थे। 1939 में जब नया कांग्रेस अध्यक्ष चुनने का वक्त आया तब सुभाष चाहते थे कि कोई ऐसा व्यक्ति अध्यक्ष बनाया जाये जो इस मामले में किसी दबाव के आगे बिल्कुल न झुके। ऐसा किसी दूसरे व्यक्ति के सामने न आने पर सुभाष ने स्वयं कांग्रेस अध्यक्ष बने रहना चाहा। लेकिन गांधीजी उन्हें अध्यक्ष पद से हटाना चाहते थे। गांधीजी ने अध्यक्ष पद के लिये पट्टाभि सीतारमैया को चुना। बहुत बरसों बाद कांग्रेस पार्टी में अध्यक्ष पद के लिये चुनाव हुआ।

चुनाव में नेताजी सुभाष को 1580 मत व सीतारमैय्या को 1377 मत मिले। गांधीजी के विरोध के बावजूद सुभाष बाबू 203 मतों से चुनाव जीत गये। गांधीजी ने पट्टाभि सीतारमैय्या की हार को अपनी हार बबताया। इसके बाद कांग्रेस कार्यकारिणी के 14 में से 12 सदस्यों ने इस्तीफा दे दिया। 3 मई 1939 को सुभाष ने फॉरवर्ड ब्लॉक के नाम से अपनी पार्टी की स्थापना की। सुभाष चंद्र बोस ने 1937 में अपनी सेक्रेटरी और ऑस्ट्रियन युवती एमिली से शादी की। उन दोनों की अनीता नाम की एक बेटी भी हुई। जर्मनी जाकर नेताजी हिटलर से मिले। 1943 में उन्होने जर्मनी छोड़ दिया। वहां से वह जापान पहुंचे। जापान से वह सिंगापुर पहुंचे। जहां उन्होंने कैप्टन मोहन सिंह द्वारा स्थापित आजाद हिंद फौज की कमान अपने हाथों में ले ली। उस वक्त रास बिहारी बोस आजाद हिंद फौज के नेता थे। उन्होंने आजाद हिंद फौज का पुनर्गठन किया। महिलाओं के लिए रानी झांसी रेजिमेंट का भी गठन किया लक्ष्मी सहगल जिसकी कैप्टन बनी।

नेताजी के नाम से प्रसिद्ध सुभाष चन्द्र ने सशक्त क्रान्ति द्वारा भारत को स्वतंत्र कराने के उद्देश्य से 21 अक्टूबर 1943 को आजाद हिन्द सरकार की स्थापना की जिसे जर्मनी, जापान, फिलीपींस, कोरिया, चीन, इटली, मान्चुको और आयरलैंड ने मान्यता दी। आजाद हिन्द फौज के प्रतीक चिह्न पर एक झंडे पर दहाड़ते हुए बाघ का चित्र बना होता था। नेताजी अपनी आजाद हिंद फौज के साथ 4 जुलाई 1944 को बर्मा पहुँचे। यहीं पर उन्होंने अपना प्रसिद्ध नारा, तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा दिया। खून भी एक दो बूँद नहीं इतना कि खून का एक महासागर तैयार हो जाये और उसमें मैं ब्रिटिश साम्राज्य को डूबो सकूं। 1944 को आजाद हिन्द फौज ने अंग्रेजों पर दोबारा आक्रमण किया और कुछ भारतीय प्रदेशों को अंग्रेजों से मुक्त भी करा लिया।

द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान आजाद हिन्द फौज ने जापानी सेना के सहयोग से भारत पर आक्रमण किया। अपनी फौज को प्रेरित करने के लिये नेताजी ने दिल्ली चलो का नारा दिया। दोनों फौजों ने अंग्रेजों से अंदमान और निकोबार द्वीप जीत लिये। यह द्वीप आजाद-हिन्द सरकार के नियंत्रण में रहे। नेताजी ने इन द्वीपों को शहीद द्वीप और स्वराज द्वीप का नया नाम दिया। दोनों फौजों ने मिलकर इंफाल और कोहिमा पर आक्रमण किया। लेकिन बाद में अंग्रेजों का पलड़ा भारी पड़ा और दोनों फौजों को पीछे हटना पड़ा। 6 जुलाई 1944 को आजाद हिन्द रेडियो पर अपने भाषण के माध्यम से नेताजी ने गांधी जी को पहली बार राष्ट्रपिता बुलाकर अपनी जंग के लिये उनका आशीर्वाद भी मांगा। आजाद हिन्द फौज के माध्यम से भारत को अंग्रेजों के चंगुल से आजाद करने का नेताजी का प्रयास प्रत्यक्ष रूप में सफल नहीं हो सका। किन्तु उसका दूरगामी परिणाम हुआ। सन् 1946 के नौसेना विद्रोह इसका उदाहरण है। नौसेना विद्रोह के बाद ही ब्रिटेन को विश्वास हो गया कि अब भारत में सेना के बल पर शासन नहीं किया जा सकता और भारत को स्वतन्त्र करने के अलावा उनके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा।

पूरी हुई चिर अभिलाषा, मंदिर में विराजे सबके श्री राम

सनत जैन

अयोध्या में आज22 जनवरी 2024 को भगवान श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम संपन्न हो गया है। भगवान राम का जन्म अयोध्या में हुआ। भक्तों के मन में अयोध्या में भगवान राम का मंदिर बनाने की जो चिर अभिलाषा थी। वह मंदिर मैं प्रभु रामललला की प्राण प्रतिष्ठा पूरी हो गई है। आज भगवान राम नवनिर्मित भव्य, दिव्य नव्य मंदिर में दोपहर प्राण प्रतिष्ठा के साथ विराजित हो गए हैं। भगवान राम हर मनुष्य एवं सभी जीवों की आत्मा में जीवंत रूप से बसते है। जीवन ही भगवान राम की उपस्थिति का एहसास कराता है। आज उस राम को मंदिर में देखकर सभी लोगों के मन में हर्ष और प्रफुल्लितहो रहा है। भगवान राम के प्रति आस्था और विश्वास का उत्साह आज संपूर्ण भारतवर्ष में देखने को मिला है।भगवान राम के अनेकानेक रूप हैं। हर कोई भगवान राम की अपने हिसाब से उनकी मर्यादा पुरुषोत्तम राम के रूप में, उनके प्रति आस्था और प्रेम प्रदर्शित करता है।हुमान के राम बिल्कुल अलग है। उन्होंने अपनी स्वयं के अस्तित्व को भगवान राम के चरणों में समर्पित करते हुए, राम भक्तों के दुख दर्द को दूर करने का जो मार्ग चुना है।राम के प्रति भक्ति ही हनुमान जी को राम मैं समाहित करती है।आज भी बजरंगबली का नाम लेने से भगवान राम भक्तों के कष्ट दूर करने के लिए अवतरित हो जाते हैं। सीता के राम अलग है। लक्ष्मण के राम अलग है। भारत के राम अलग हैं। वाल्मीकि के राम अलग हैं। तुलसीदास जी के राम अलग हैं। हर कोई अपने राम को अपने तरीके से देखता है। अपने अनुसार राम का अनुसरण करता है।हर भक्त के अपने-अपने राम है। जितने भी मनुष्य हैं, सबने राम की अलग-अलग कल्पनाएं अपने मन में बना रखी हैं। माना जाता है,कि

> सीता के राम अलग है। लक्ष्मण के राम अलग है। भारत के राम अलग हैं। वाल्मीकि के राम अलग हैं। तुलसीदास जी के राम अलग हैं। हर कोई अपने राम को अपने तरीके से देखता है। अपने अनुसार राम का अनुसरण करता है।हर भक्त के अपने-अपने राम है। जितने भी मनुष्य हैं, सबने राम की अलग-अलग कल्पनाएं अपने मन में बना रखी हैं। माना जाता है,कि मनुष्य जीवन में राम ही पुरुषार्थ के कारक हैं। जब तक आत्मा में राम बसते हैं। तब तक ही जीवन रहता है।

मनुष्य जीवन में राम ही पुरुषार्थ के कारक हैं। जब तक आत्मा में राम बसते हैं। तब तक ही जीवन रहता है। जब राम शरीर से बाहर निकलते हैं, तो शारीरिक् जीवन समाप्त हो जाता है। लेकिन आत्मा में राम बने रहते हैं। भारत में राम की महिमा हर संप्रदाय और हर समाज के बीच में कई सदियों से चली आ रही है। सामाजिक व्यवहार में भी भगवान राम, अभिवादन में,जन्म में,मृत्यु में और हर अच्छे बुरे समय में राम के प्रति आस्था और उनके प्रति समर्पण राम के अस्तित्व को बताता है। लोगों के जीवन को संवारता है।भगवान विष्णु के अवतार के रूप में भगवान राम ने,पृथ्वी में मनुष्य रूप में जन्म लिया। उन्होंने मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में अपना मनुष्य जीवन जिया। सभी प्राणी मात्र के लिए उन्होंने एक संदेश दिया। वही संदेश आज हम सबके जीवन का आधार है। राम मन में होते हैं।हमेशा होते हैं। इसका एहसास हम कई बार समय-समय पर स्वयं करते हैं। लोभ क्रोध मोह माया के कारण हम अपनी मर्यादाओं से जब अलग होते हैं।उस समय हमारा मार्गदर्शन करने के लिए भगवान राम की मर्यादाएं और उनके आचरण से हम अपने आप को संभालने का काम करते हैं। धार्मिक ग्रंथो में कहा गया है, कर्म का फल प्रत्येक मनुष्य को भोगना पड़ता है।जन्म जन्मांतर का कारण भी कर्म फल हैं। मनुष्य जीवन में सभी लोगों को कर्म फल के आधार पर उनका भाग्य होता है। वह कर्म फल और भाग्यफल के अनुसार ही पुरुषार्थ करते हैं। अपने जीवन को श्रेष्ठतम बनाने का कार्य करते हैं। इसके लिए मनुष्य जन्म को दुर्लभ बताया गया है। मनुष्य जीवन में सर्वोत्तम मर्यादाओं के साथ जीवन जीते हुए भगवान राम ने सारे जगत को एक मार्ग दिखाया है। वही हमारी आस्था और विश्वास का कारण है। धर्म आचरण से आता है। जब हम भगवान राम के बताए हुए मार्ग को अपने आचरण में ले आते हैं।तभी हम धर्म का पालन कर रहे होते हैं। धर्म का पालन करने पर अपनी आत्मा को श्रेष्ठतम बनाने का काम करते हैं। प्राण प्रतिष्ठा के इस समारोह में आज देश भर के सभी लोगों में जिस तरह का उत्साह, आस्था और विश्वासभगवान राम के प्रति देखने को मिल रहा है। वह सभी के लिए बहुत अच्छा है। आज हमें भगवान राम के बारे में जानने के लिए वह सब कुछ मिल रहा है। जो पूर्व में संभव नहीं था।अयोध्या में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व जिस तरह से भगवान राम के जीवन चरित्र का गुणगान बोलकर, बताकर, लिखकर, भजनों के माध्यम से प्रवचन के माध्यम से वर्तमान युग में टेलीविजन में प्रदर्शित फिल्मों और सीरियलके माध्यम से राम के वास्तविक चरित्र का जो वर्णन किया गया है। वह भारत और दुनिया के करोड़ों लोगों के लिए भगवान राम के वास्तविक स्वरूप को जानने का एक माध्यम है। राम किसी एक के नहीं हो सकते हैं। सबकी आत्मा में राम है।सबके राम हैं। भगवान राम अजर अमर हैं।

हर्ष और मुस्कान

एक बड़े होटल में दो-चार दिन गुजारने के बाद टिप की प्रवृति से तंग आ चुके एक साहब के कमरे का दरवाजा किसी ने खटखटाया। उन्होंने पूछा, 'कौन?'

वेटर, 'साहब, हम हैं।'

साहब, 'क्या हैं?'

वेटर, 'आपका टैलीग्राम।'

टिप से बचने के लिए वह बोले, 'दरवाजे के नीचे से अंदर डाल दो।'

वेटर, 'माफ कीजिए साहब, मैं ऐसा नहीं कर सकता।'

साहब, 'क्यों?'

वेटर, 'क्योंकि टैलिग्राम में रखा है साहब।'

□ □ □ □ □ □ □

नेता जी अपनी चुनावी सभा में बार-बार, 'प्यारे भाइयों और बहनो' कर रहे थे। इतने में एक देहाती स्त्री का बच्चा रो पड़ा। वह उसे थप्पड़ मारकर बोली, 'चुप हो जा नहीं तो मामा जी मारेंगे।'

□ □ □ □ □

पिता जी अपने संघर्ष की दास्तान सुना रहे थे ताकि बेटे कुछ सबक लें। उन्होंने बताया कि वह किस तरह भूखे रह कर और तकलीफें सह कर बड़े हुए।

सब कुछ सुनने के बाद छोटे बेटे ने कहा, 'पिता जी बीती बातें भुला दीजिए, अब तो आप हमारे साथ कितने सुख से रह रहे हैं।'

दैनिक पंचांग

23 जनवरी 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

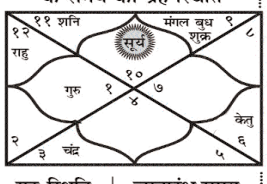

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मकर में
चंद्र	मिथुन में
मंगल	धनु में
बुध	धनु में
गुरु	मेष में
शुक्र	धनु में
शनि	कुंभ में
राहु	मीन में
केतु	कन्या में

राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक

लग्नारंभ समय

कुंभ	08.02 बजे से
मीन	09.35 बजे से
मेष	11.05 बजे से
वृष	12.45 बजे से
मिथुन	14.43 बजे से
कर्क	16.57 बजे से
सिंह	19.13 बजे से
कन्या	21.25 बजे से
तुला	23.36 बजे से
वृश्चिक	01.50 ब.से
धनु	04.06 बजे से
मकर	06.11 बजे से

मंगलवार 2024 वर्ष का 23 वां दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2080 **शक संवत्** 1945
मास पौष **पक्ष** शुक्ल
तिथि त्रयोदशी 20.40 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आर्द्रा 06.27 बजे को समाप्त।
योग इन्द्र 08.04 बजे को समाप्त।
करण कौलव 08.13 बजे तदनन्तर तैतिल 20.40 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 11.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 19° 37'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871867
जूलियन दिन 2460332.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना रजब **तारीख** 11
विशेष प्रदोष व्रत, सुभाष चंद्र बोस जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः — प्याली में कौन

यूनानी संत ऑगस्टिन एक सुबह सागर के तट पर अकेले ही घूमने निकले। तब सूर्योदय हो रहा था। रात भर जागने से उनकी आंखें थकी - मांदी थीं। सत्य की खोज में वह अपना सारा सुख - चैन खो बैठे थे। परमात्मा को पाने के विचार में उन्हें पता ही नहीं चलता था कि दिन और रात कब बीत जाते। शास्त्र , शब्द और विचार के बोझ तले वह दब गए थे। सागर के किनारे उन्होंने एक बालक को खड़ा देखा , जिसके हाथ में एक छोटी सी प्याली थी और वह किसी चिंता में डूबा था। ऑगस्टिन ने बच्चे से पूछा , 'बेटे , तुम यहां क्या कर रहे हो ?' बच्चे ने ऑगस्टिन की ओर देखा और कहा , 'पहले आप बताएं कि आप यहां क्या कर रहे हैं ? संभव है जो मेरी चिंता है , वही आपकी भी हो। लेकिन आपकी प्याली कहां है ?' ऑगस्टिन की समझ में कुछ नहीं आया। प्याली की बात सुनकर उन्हें हंसी भी आ गई। उन्होंने कहा , 'मैं सत्य की खोज में हूं और उसी के कारण चिंतित हूं। 'बच्चा बोला , 'मेरी चिंता का कारण यह है कि मैं इस प्याली में सागर को भरकर घर ले जाना चाहता हूं , लेकिन सागर है कि प्याली में नहीं आ रहा। 'ऑगस्टिन ने सुना तो उन्हें अपनी बुद्धि की प्याली भी दिखाई दी और सत्य का सागर भी। वह हंसने लगे और बच्चे से बोले , 'मित्र , सचमुच हम दोनों बालक ही हैं , क्योंकि बालक ही सागर को प्याली में भरना चाहते हैं और किसी न किसी सागर तट पर अपनी - अपनी प्यालियां लिए खड़े हैं। 'ऑगस्टिन आगे बढ़े और सोचने लगे वस्तुत : संसार के सभी लोग किसी न किसी रूप में सागर तट पर अपनी - अपनी प्यालियां लिए खड़े हैं। वे दूसरों को देखते हैं , जिनके पास बड़ी प्यालियां हैं , लेकिन प्याली बड़ी हो या छोटी , इससे फर्क क्या पड़ता है। सागर तो उसी को मिलता है , जो अपनी प्याली भरकर घर ले जाने की बजाय उसे सागर में ही छोड़ दे।

सू-दोकू क्रमांक 2872

मध्यम

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सू-दोकू क्रमांक 2871 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

गुपचुप ढंग से चहेते ठेकेदार को दे दिया आंगनबाड़ी भवनों के निर्माण का ठेका

सुकमा/छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस

भ्रष्टाचार को लेकर सरकार भले ही जीरो टॉलरेंस नीति को सख्ती से लागू करने का दावा कर रही है, लेकिन सुकमा जिले के कुछ सरकारी अधिकारी एवं कर्मचारियों की मिलीभगत के कारण धरातल पर यह दावा खोखला साबित हो रहा है। कुछ कर्मचारियों के कारण आमजन को भ्रष्टाचार मुक्त शासन देने में सरकार की कोशिश नाकाम साबित होती नजर आ रही है। सुकमा जिले के अंतिम छोर में स्थित कोंटा नगर में कई आंगनबाड़ी भवन काफी जर्जर हो चुके थे। इन जर्जर भवनों में बिठाकर उनकी देखरेख और शिक्षा की व्यवस्था की जाती रही है। ऐसा करके मासूम बच्चों की जान को मुसीबत में डाल दिया गया था। इस मसले को लेकर समय- समय कई पत्रकारों ने अपनी आवाज बुलंद करते हुए अखबारों प्रकाशित किया था। इसके बाद जिला प्रशासन ने इसमें रूचि लेकर तत्काल आंगनबाड़ी भवनों के निर्माण

हेतु कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग सुकमा को एजेंसी बनाकर कोंटा नगर पंचायत में पांच आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य हेतु आदेशित किया। आरईएस विभाग के अधिकारियों द्वारा निविदा प्रक्रिया के सभी नियमों को दरकिनार करते हुए अपने चहेते ठेकेदार को लाभ पहुंचाने एवं अपनी जेब भरने के उद्देश्य से गुप्त तरीके से टेंडर प्रक्रिया को पूरा किया गया। टेंडर की जानकारी ज्यादातर ठेकेदारों को नही होने के कारण वे निविदा प्रक्रिया में भाग लेने से वंचित रह गए। इससे 5 आंगनबाड़ी भवनों के निर्माण कार्य का ठेका एक प्रतिशत ज्यादा पर एक ही ठेकेदार दीपक सिंह चौहान को दे दिया गया। इस निविदा प्रक्रिया को सूचना पटल में प्रकाशित नहीं किया गया और नगर पंचायत कोंटा से एनओसी लिए बिना निविदा प्रक्रिया को पूरा किया गया। इससे न सिर्फ शासन को लाखों रुपए की हानि हुई, बल्कि इस गुप्त टेंडर एवं कमीशनखोरी के कारण गुणवत्ताहीन भवन निर्माण होना तय है। गुप्त तरीके से लाखों का टेंडर जारी कर शासन को चूना लगाने से बाज नहीं आ रहे हैं आरईएस के अधिकारी।

दृष्टिबाधित जगतराम कमार का बनाया गया आधार कार्ड एवं मतदाता परिचय पत्र

धमतरी/छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस। जिले में गत 20 जनवरी को प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत कुड़िया दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले के 122 बसाहटों में एक साथ विशेष पिछड़ी कमार जनजाति के हितग्राहियों का प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत कुड़िया (आवास) निर्माण की नींव रखी गई। वनांचल नगरी के ग्राम पंचायत कल्लेमेटा स्थित कमारटोला में आयोजित इस कार्यक्रम में दृष्टिबाधित जगतराम कमार भी पहुंचे थे। मौके पर उपस्थित कलेक्टर सुश्री नम्रता गांधी सहित जनप्रतिनिधियों के समक्ष जगतराम कमार ने बताया कि उनका आधार कार्ड एवं मतदाता परिचय पत्र नहीं होने की वजह से उनका बैंक खाता खोलने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस पर कलेक्टर ने तीन दिनों के भीतर जगतराम कमार का आधार कार्ड एवं मतदाता परिचय पत्र बनाने के निर्देश मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत नगरी को दिये। कलेक्टर सुश्री गांधी द्वारा दिये गये निर्देश के परिपालन में सीईओ जनपद पंचायत नगरी श्री एल.एन.पटेल ने आज जगतराम कमार के निवास ग्राम कल्लेमेटा कमारटोला जाकर अपने वाहन में बिठाया और ग्राम भीतररास स्थित च्वाईस सेंटर ले जाकर उनका आधार कार्ड एवं मतदाता परिचय पत्र बनवाया। इसके बाद जगतराम कमार को वापस वाहन से उनके घर छोड़ा गया। जगतराम कमार ने इसके लिये कलेक्टर एवं जिला प्रशासन का धन्यवाद ज्ञापित किया।

सार्थक में रामचंद्र जी प्रतिष्ठा पर हनुमान चालीसा और भक्ति गीत गाए गए

धमतरी/छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस। भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के उपलक्ष में सार्थक स्कूल धमतरी में उत्सव मनाया गया। अयोध्या में नव निर्मित राम मंदिर में श्री राम लला की मूर्ति स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर पूरे देश का माहौल राममय हैं। सार्थक के विशेष बच्चों ने प्रशिक्षकों के साथ मिलकर स्कूल प्रांगण को रंगोली और दीयों से सजाया। श्रीराम जी की तस्वीर को फूलों से सजाकर पूजा की और दीप प्रज्वलित किए। बच्चों और प्रशिक्षकों ने मिलकर हनुमान चालीसा का पाठ किया, भजन गाए और आरती की।सार्थक अध्यक्ष डॉ. सरिता दोशी ने बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य की कामना की और सभी बच्चों को प्रसाद रूप में चॉकलेट भेंट किए। इस अवसर पर प्रशिक्षक मैथिली गोड़े, गीतांजलि देवी, स्वीटी सोनी, सुनैना गोड़े उपस्थित थे।

राम लला के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पत्थलगांव हुआ राममय

जशपुर/छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस

जहां एक और पूरा देश भगवान राम के मंदिर अयोध्या में रामलाल विराजित होने एवं प्राण प्रतिष्ठा को लेकर उत्साहित एवं भगवा मय माहौल बना हुआ है वही इसी को लेकर जगह-जगह ग्रामीण क्षेत्र के साथ नगर में भी भगवा मय माहौल है और भगवान श्री राम के अयोध्या में विराजित होने के खुशियां पूरे देश में मनाई जा रही है इसी क्रम में पत्थल गांव को भी अयोध्या के तर्ज पर सजाकर पूरा नगर भगवा में माहौल में राममय हो चुका है वहीं बाजार पारा दुर्गा समिति द्वारा दुर्गा चौक पर भगवान राम की आरती की जिसके बाद लड्डुओं का प्रसाद बांटें वहीं मुख्य चौक पर एलईडी स्क्रीन लगाकर रामलाल के प्रतिस्थापित होने के लाइव दर्शन हजारों लोगों ने किया एवं जय श्री राम के नारे लगाते हुए पूरा पत्थल गांव को

गूंजायमान कर दिया। मंडी स्थित प्रांगण में जगदीश प्रसाद अग्रवाल के द्वारा अविरल भंडारे का आयोजन किया गया। श्याम मंदिर में रामलाल की आरती के साथ प्रसाद का वितरण किया गया ।

भव्य रूप में निकाली गई मोटरसाइकिल रैली

रामलाल की मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर पत्थलगांव में राम भक्तों ने विशाल हजारों की संख्या में मोटरसाइकिल रैली निकाली गई डीजे की धुन पर थिरकते युवा राम भक्त जय श्री राम के नारे लगाते हुए पूरा माहौल को भगवा में कर दिया। शाम को पत्थल गांव के मुख्य चौक पर आतिशबाजी का कार्यक्रम किया गया है वही राम जी की विशाल शोभा यात्रा भी नगर के तीनों मार्ग अंबिकापुर रोड ,रायगढ़ रोड व जशपुर रोड से निकाला गया जहां शहरवासियों के द्वारा फुलों कि वर्षा करते रहे।

रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर ग्राम कंडेल में एक दिवसीय रामायण महोत्सव

कांकेर/छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस

श्री राम लला के प्राण प्रतिष्ठा के पावन पर्व पर आज पुरा भारत देश राम मय हो गया है । सभी देशवासी आज राम नाम के रंग में रंगे हुए है। इस अवसर पर आज ग्राम कंडेल के राम जानकी मन्दिर में एक दिवसीय छत्तीसगढ़ राज्यस्तरीय मानस गान महोत्सव का आयोजन किया गया हैं। जिसमे ग्राम कंडेल के सभी ग्रामवासी के द्वारा बाजे गाजे के साथ श्री राम जी की छायाचित्र लेकर पूरे ग्राम से मन्दिर तक भव्य शोभा यात्रा निकाला गया जिसमे सभी महिला पुरुषो द्वारा भगवा वस्त्र धारण किया गया । इस रामायण महोत्सव में मुख्य अतिथि छेत्र के विधायक

सावित्री मनोज मांडवी अध्यक्षता ग्राम के प्रथम नागरिक ग्राम सरपंच मनाय लक्ष्मीकांत गावड़े, विशिष्ट अतिथि पूर्व गौ सेवा आयोग के सदस्य नरेंद्र यादव उपस्थित रहें। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक सावित्री मांडवी और ग्राम के मुख्या के द्वारा श्री राम के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित व पूजा अर्चना कर के हुआ। सभी आए अतिथियों का ग्राम के महिला समूहों और ग्रामीणों द्वारा तिलक वंदन और पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया। उधबोधन की कड़ी में विधायक सावित्री मंडावी ने विधान सभा चुनाव में जीत दिलाने के लिए आभार प्रगट किया साथ ही मन्दिर के जीर्णोधार के लिए सात लाख देने की बात कही। इस रामायण समारोह में लक्ष्मी कांत गावड़े, घनश्याम यादव, कमलेश पटेल, नरेश जैन, रूपेश जैन,हेमंत मरकाम, नरेश साहू सहित ग्राम के सभी लोग उपस्थित रहे।

सार्थक में रामचंद्र जी प्रतिष्ठा पर हनुमान चालीसा और भक्ति गीत गाए गए

धमतरी/छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस। भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के उपलक्ष में सार्थक स्कूल धमतरी में उत्सव मनाया गया। अयोध्या में नव निर्मित राम मंदिर में श्री राम लला की मूर्ति स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर पूरे देश का माहौल राममय हैं। सार्थक के विशेष बच्चों ने प्रशिक्षकों के साथ मिलकर स्कूल प्रांगण को रंगोली और दीयों से सजाया। श्रीराम जी की तस्वीर को फूलों से सजाकर पूजा की और दीप प्रज्वलित किए। बच्चों और प्रशिक्षकों ने मिलकर हनुमान चालीसा का पाठ किया, भजन गाए और आरती की।सार्थक अध्यक्ष डॉ. सरिता दोशी ने बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य की कामना की और सभी बच्चों को प्रसाद रूप में चॉकलेट भेंट किए। इस अवसर पर प्रशिक्षक मैथिली गोड़े, गीतांजलि देवी, स्वीटी सोनी, सुनैना गोड़े उपस्थित थे।

राम जी की निकली सवारी, राम जी की लीला है न्यारी गाने की थाप पर झूमते रहे रामभक्त

कांकेर/छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस। प्रभु श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा पर चारामा में भी निकली ऐतिहासिक शोभा यात्रा। लगभग 500 साल के लंबे अंतराल के बाद 22 जनवरी 2024 का वह समय आ ही गया । जिसकी समस्त भारतवंशियों को सदियों से प्रतीक्षा थी । प्रभु श्रीराम जी की जन्मभूमि अयोध्या के नवनिर्मित मंदिर में आज विधिवत पुजा-अर्चना कर उनकी प्रतिमा स्थापना एवं प्राण-प्रतिष्ठा कर दी गई है ।जिसमे इस प्राण-प्रतिष्ठा के सभी देशवासी साक्षी बनकर गौरान्वित हुए । इसी खुशी में सभी रामभक्तों ने चारामा नगर को भी भगवा रंगों से सजाकर अयोध्या बना दिया है । और आज प्रात: से ही सभी हिंदू समाज व सभी हिंदू संगठनों के द्वारा राम जी की कई ऐतिहासिक शोभायात्रा का आयोजन किया गया। जिसमे सभी चौक-चौराहों में उनका भव्य स्वागत किया गया । नगरवासियों को श्रीराम प्रसादी वितरण करने के लिए कई स्थानों पर स्टॉल लगाए गए हैं । प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर नगर में पुरा भक्तिमय वातावरण बना हुआ है । इस अवसर पर सभी मंदिरों में एक सप्ताह पहले से साफ-सफाई कर संध्या में होने वाली पुजा-अर्चना की तैयारियाँ हो चुकी है।

गौशाला कर्मी की गला रेतकर हत्या, चार युवक गिरफ्तार

कबीरधाम/छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस। गौशाला चौकीदार की गला काटकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने चार युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों में सुफियान कुरैशी 21, इदरीस खान 27, अयाज खान 18, महताब खान 22 वर्ष हैं। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि घटना शनिवार रात कवर्धा शहर के बाहरी इलाके में उस समय हुई जब साधराम यादव साइकिल से अपने गांव लालपुर जा रहे थे। उन्होंने कहा, कवर्धा शहर की एक गौशाला में दो दशकों से अधिक समय से काम कर रहे यादव का शव रविवार सुबह मिला, उनका गला काटा गया था। निवासियों के बयान और मोबाइल फेन से मिली जानकारी सहित तकनीकी सूचना के आधार पर चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है और एक नाबालिग को हिरासत में लिया गया है।

अधेड़ पर सब्बल से जानलेवा हमला

बिलासपुर/छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस। खेत में खंभा लगाने के नाम पर उपजे विवाद के चलते एक सेवानिवृत्त कर्मी पर सब्बल से जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। तखतपुर पुलिस सूत्रों ने बताया कि मामला ग्राम अमोलीकापा है। प्रार्थी रहस लाल दिवाकर रिटायर होने के बाद गांव में खेती करते हैं। रविवार की सुबह साढ़े 9 बजे लालू गोंड व उसका भाई उनके खेत में सीमांकन के बाद सीमेंट खंभा गड़ा रहे थे। रहस लाल भी वहां मौजूद था, तभी गणेश राम गोयल व उसका बेटा ग्राम बेलसरी वाले वहां पहुंचे। उन्होंने खंभा गाडऩे से मना करते हुए गाली गलौज शुरू कर दी। मना कराने पर लालू गोड़ के हाथ से सब्बल छिनकर रहस लाल पर हमला किया, जिससे उसे बाएं पैर व दाहिने हाथ में चोट आई। उसकी रिपोर्ट पर पुलिस ने दोनों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

पांच प्रबुद्धजनों ने की देहदान की घोषणा

भिलाईनगर/छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस। ग्राम धनोरा के पांच प्रबंद्धजनों ने एक साथ देहदान करने की घोषणा की है। इस दौरान विधायक ललित चंद्राकर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। इसके बाद धनोरा के ईश्वर सिंह वर्मा और उनकी पत्नी मैना बाई वर्मा, डी एल माहेश्वरी और उनकी पत्नी शशि महेश्वरी के अलावा महेश कुमार साहू ने मानवता की भलाई के लिए निकटवर्ती मेडिकल कॉलेज के नाम जारी की कुल पांच वसीयतें जो पवन केसवानी को प्रदान कीं। चिकित्सा अध्ययन एवं अध्यापन हेतु राजीव लोचन आयुर्वेद कॉलेज, चंदखुरी को अपना मृत शरीर दान देने के लिए पांचों देहदानियों के परिजनों ने उनकी वसीयतों में हस्ताक्षर करते हुए अपनी सहमति प्रदान की ।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना से लाभान्वित 7 हितग्राही दम्पत्ति दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में होंगे शामिल

धमतरी/छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस

कलेक्टर सुश्री नम्रता गांधी के निर्देश पर जिले में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का संचालन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में जिले के प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना से लाभान्वित 7 हितग्राही दंपत्ति 26 जनवरी को राजधानी दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में विशेष अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे। उक्त विश्वकर्मा कारीगरों ने आज प्रस्थान के पूर्व कलेक्टर सुश्री गांधी से भेंट कर उन्हें अपनी गतिविधियों के बारे में अवगत कराया ।

उल्लेखनीय है कि ग्राम तर्रागोंदी के श्री गंदराम साहू, श्री मुकेश साहू राजमिस्त्री, श्रीमती राखी बाई एवं खिलेश्वरी साहू दर्जी, ग्राम बोरझरा से श्री कामराज साहू एवं श्री रविन्द्र कुमार साहू कारपेंटर तथा धमतरी नगर निगम से श्री छबि आनंद भरतद्वाज ने योजनांतर्गत प्राप्त प्रमाण पत्र परिचय पत्र आदि से कलेक्टर को अवगत कराया तथा योजना को कारीगरों के लिए अत्यंत लाभकारी बताया। कलेक्टर सुश्री गांधी ने मार्गदर्शन देते हुए कहा कि इस प्रकार की योजना से लाभ लेकर अपने जीवन स्तर को ऊपर उठायें तथा समूह एवं आसपास के व्यक्तियों में भी योजना के प्रति जागरूकता का प्रचार प्रसार करें। योजना के नोडल अधिकारी महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र श्री सुरेन्द्रपुरी गोस्वामी ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना अंतर्गत 18 प्रकार के व्यवसायों के कारीगरों को लाभान्वित किया जाता है, जिसमें उनको पहचान एवं प्रशिक्षण तथा औजार उपकरण हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। साथ ही इकाई स्थापना के लिए रियायती व्याज दरों पर बैंक ऋण उपलब्ध कराया जाता है। योजनांतर्गत आवेदन की प्रक्रिया अत्यंत सरल है तथा नजदीकी सीएसएसी में उपस्थित होकर पूर्ण किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि इस योजना अंतर्गत एमएसएमई मंत्रालय भारत सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए धमतरी जिले से 07 विश्वकर्मा दंपत्ति का चयन किया गया है, जो कि गणतंत्र दिवस समारोह में उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री जी.आर. मरकाम, उपसंचालक पंचायत श्री अविनाश मसराम, प्रबंधक उद्योग श्री प्रशांत चन्द्राकर ने लाभार्थियों का मार्गदर्शन किया एवं शुभकामनाएं प्रेषित किये।

आर्सेलर मित्तल निप्पोन स्टील इंडिया एवं डीडीआरसी के सहयोग से 67 दिव्यांग हुए लाभान्वित

किरंदुल/छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस

आर्सेलर मित्तल निप्पोन स्टील इंडिया के सीएसआर पहल पर समाज कल्याण विभाग और जिला प्रशासन के सहयोग से जिला विकलांग पुनर्वास केंद्र ने 67 से अधिक विकलांगजनों को लाभ पहुंचाया। जिसमें मुख्य रूप से समुदाय-आधारित पुनर्वास का सहयोग रहा। डीडीआरसी के थेरेपी यूनिट और कृत्रिम यूनिट ने सामूहिक रूप से 60 से अधिक दिव्यांग लोगों के जीवन को प्रभावित किया है। जनवरी 2024 में, डीडीआरसी के केंद्र ने समुदाय आधारित पुनर्वास को बढ़ाने के लिए 13 व्यक्तियों को स्पीच थेरेपी, 18 को फिजियोथेरेपी, 23 को ऑक्यूपेशनल थेरेपी एवं 22 को मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान की। यह पहल आर्सेलर मित्तल निप्पोन स्टील इंडिया के सहयोग से डीडीआरसी-सुकमा के उद्देश्य को दर्शाती है, ताकि पीडब्ल्यूडी समुदाय को सीधे उनके दरवाजे पर व्यापक सेवाएं उपलब्ध कराई जा सके।संस्था के द्वारा लगातार सामाजिक कार्य किए जा रहे हैं जिनमें विशेष रूप से स्वास्थ्य जागरूकता, शिक्षा, स्पोर्ट्स एवं रोज़गार के क्षेत्र में अनेक प्रयास किए जा रहे हैं जिनका लाभ स्थानीय आदिवासी एवं ग्रामीण लोगों को मिल रहा है।

पर्यटकों को यातायात विभाग ने किया जागरूक

धमतरी/छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस

सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्रालय नई दिल्ली के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मधुलिका सिंह के मार्गदर्शन में उप पुलिस अधीक्षक यातायात श्री मणिशंकर के नेतृत्व में सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा व स्वस्थ शरीर रखे स्वस्थ मन, स्वस्थ मन रखे सुरक्षित जन के उद्देश्य को सार्थक करने के लिए यातायात जागरूकता अभियान के छठवें दिन आमजनों को यातायात नियमों का पालन करने व सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के लिए आर. गणपत डिंडोलकर यातायात रथ के साथ पर्यटन स्थल गंगरेल में पहुंचकर पर्यटन स्थल घुमने आये पर्यटकों को यातायात नियामें से संबंधित पाम्पलेट वितरण करते हुए बताया गया कि मालयान वाहन में सफर नहीं चलना चाहिये, मालयान वाहनों में बैठने की जगह अधिक नही होती है जिससे लोग वाहन में खड़े और लटक कर सफर करते है, जिस कारण से सड़क दुर्घटना होने की स्थिति में सबसे अधिक नुकसान होता है।

सफर को सुरक्षित और आंनदमय बनाने के लिए बंद वाहनों में ही सफर करना चाहियें। दो पाहिया वाहन में बिना हेलमेट व तीन सवारी नही चलना चाहियें, निर्धारित गति से वाहन चलाना चाहियें, नाबालिकों को वाहन चलाने नहीं देना चाहियें, शबरा या अन्य कोई भी नशा पान कर वाहन नही चलाना चाहियें कैसे आपकी एक छोटी सी गलती आपकी और दुसरों के जीवन को संकट में ला सकती है बताया गया। साथ ही पर्यटको को रेडियों जींगल के माध्यम से यातायात नियमों की जानकारी देकर यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है।

अयोध्या में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर निकली भव्य शोभायात्रा, राममय हुआ पुरा जिला

सुकमा/छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस

प्रभु श्री रामचंद्र की जन्मस्थली, धार्मिक नगरी अयोध्या में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर पूरा सुकमा ज़िला रामभक्तिमय होकर भगवान श्री राम की भक्ति में सराबोर हो गए। इस अवसर पर ज़िले में भव्य एवं वृहद रूप से भक्तिमय सांस्कृतिक कार्यक्रम जिला मुख्यालय, विकासखण्ड व नगरीय निकायों स्तर पर किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में रामभक्ति से परिपूर्ण मानस गायन, रामायण कथा जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रदेश के अंतिम छोर में बसे सुकमा के वासियों ने भक्तिमय कार्यक्रम में बड़े उत्साह के साथ शामिल हुए। इस दौरान पुरे दिन प्रभु श्री राम की जयकारों से गुंजता रहा पुरा सुकमा जिला।

श्रीअयोध्याधाम से प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का हुआ सीधा प्रसारण जिलेवासियों ने किए सामूहिक दर्शन - श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा विकासखण्ड एवं नगरीय निकायों में लाइव प्रसारण देखने की व्यवस्था की गई थी। जहां पर जिलेवासियों ने श्रीअयोध्याधाम से प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा। कार्यक्रम में महिला-पुरूष, बच्चे-बुढ़े सभी ने प्रभु श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर

पुरा सुकमा श्रीराम की जयकारे से गुंज उठा। उपस्थित सभी भक्तगण भगवान श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा को देख सभी आनंद विभोर हो गए। पुरे जिला में खुशी का वातावरण था।

हनुमान चालिसा का पाठ एवं संगीतमय रामायण कथा का हुआ आयोजन- रविवार 21 जनवरी को जिला मुख्यालय के श्रीराम मंदिर में बढ़ी संख्या में भक्तों ने हनुमान चालिसा का पाठ किया। नगर के विभिन्न छोटे-बड़े मंदिरों से भक्तगण भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। साथ ही विशाल जनसमुदायों नें हनुमान चालिसा का पाठ एवं संगीतमय रामायण कथा प्रारम्भ किये, जो सांध्यबेला तक चलता रहा।

प्रदेश के दक्षिण छोर सुकमा वासियों ने आनन्द और उल्लास पूर्वक मनाया - 22 जनवरी को प्रभु श्रीराम जी की प्राण प्रतिष्ठा उत्सव के अवसर पर सुकमा नगर के मुख्य मार्गों भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जिलेवासी सुबह से ही अपने घर सहित आस-पास के मंदिरों में आकर्षक साज सज्जा, रंगोली व दीप प्रज्जवलित कर ''रामलला'' के नूतन विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर उत्साह में दिखें। जिला मुख्यालय सहित नगरीय निकायों में शासकीय व सार्वजनिक भवनों को पुरा साज-सज्जा और रौशन किया गया।

विशाल शोभा यात्रा में ध्रुवा नृत्य, संबलपुरी नृत्य, राम दरबार झांकी सहित डीजे में झुमे भक्तगण - इस अवसर पर जिला सुकमा में तीनों विकासखण्ड सहित नगरीय निकायों में विशाल शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला मुख्यालय सुकमा में स्थित श्री राम मंदिर से लेकर पुराना नाका पारा चौक तक विशाल शोभा का आयोजन किया गया। जिसमें ध्रुवा नृत्य, संबलपुरी नृत्य, राम दरबार झांकी सहित डीजे में भक्तगण प्रभु श्री राम की भक्ति की धुन में झुमते नजर आये।

एक गाँव ऐसा भी.....

सैय्यदा मुनीज़ा हुसैनी

धमतरी/छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस

जी हाँ हम बात कर रहे हैं एक ऐसे गांव की जहाँ न केवल सरकारी योजनाओं का ही क्रियान्वयन किया जाता है, बल्कि पूरे गाँव के स्वच्छ माहौल के लिए सार्थक प्रयास किया गया है। जिसकी बानगी धमतरी जिले के कुरूद ब्लॉक बंजारी गाँव में देखने को मिली, जहाँ पर न केवल सरकारी योजनाओं को अमलीजामा पहनाया जाता है बल्कि गाँव कि भलाई के लिए सरहानीय पहल की गई है जिसके मद्देनजर यहाँ पर एक ग्राम समिति का बकायदा गठन कर गाँव में पूर्णत: शराबबंदी का बीड़ा उठाया गया, जिसमें न केवल पुरुष बल्कि महिला वर्ग भी अपनी अच्छी खासी भूमिका निभाते नज़र आती हैं। आपको बता दे ये कार्य करने की बात यहाँ कि एक महिला सरपंच त्रिवेणी पाल व उनके पतिदेव तुलाराम पाल द्वारा ही जारी करवाया गया जिसमें पूरे गाँव का भरपूर सहयोग मिला रहा है जिसका नतीजा ये कि ये समिति बने पूरे छ: माह हो गये हैं और समाचार लिखे जाने तक एक भी सार्वजनिक स्थान पर शराबखोरी या किसी प्रकार की हुल्लड़बाजी कि शिकायत नहीं मिली है। गौरतलब है कि यह समिति के अध्यक्ष श्री गोपाल टंडन, सचिव श्री धनीराम टंडन..सहित कुल 47 सदस्यों द्वारा ग्राम समिति नामक समिति बनाई गई है, जिसका प्रमुख कार्य रात्रि 10 बजे के बाद कोई भी व्यक्ति चौक-चौराहों पर बिना कारण बैठ नहीं सकता, और न शराबखोरी कर सकता हैं और न ही किसी प्रकार से गालीगलौज कर सकता है जिसके लिए प्रति रात्रि ग्राम समिति के प्रत्येक वार्ड का भ्रमण कर मुआयना कर शराबबंदी के लिए रोक लगाते जिसमें गांव कि महिलायें भी कदमताल करते नज़र आती है, अगर कोई अगर करता भी है और समिति के पास लिखित आवेदन आने पर समिति द्वारा बैठकर सभी की सहमति से दंड का प्रावधान भी रखा है। इसका फलीभूत परिणाम ये हुआ कि अब बंजारी ग्राम पंचायत में विगत 6 माह से पूर्णत: शराबबंदी बंदी साथ ही पहले चौक-चौराहों में जुआ खेलते बैठे रहते थे लोग पर अब गांव का माहौल स्वच्छ, शांतिपूर्ण हो गया है। जिसकी चर्चा जोरों से होने लगी है और हर कोई इस सराहनीय कार्य की भूरी-भूरी प्रशंसा करते नहीं थक रहा, एक बार तो हमारे मुंह से भी यकायक निकल पड़ा गांव हो तो ऐसा।

वजन घटाने के लिए सुबह खाली पेट पिएं सेलरी जूस, बिना एक्सरसाइज के घट जाएगा कई किलो वजन

नई दिल्ली/ एजेंसी

आप भी बिना एक्सरसाइज या डाइटिंग के वजन कम करने की कोशिश में रहते हैं. तो वजन घटाने के लिए सबसे आसान और प्राकृतिक तरीकों में से एक है. सुबह खाली पेट सेलरी का जूस पीना. सेलरी में कई सारे पोषक तत्व पाए जाते हैं जैसे विटामिन, मिनरल्स, एंटीऑक्सिडेंट्स आदि. ये सभी शरीर को डिटॉक्सीफाई करते हैं और मेटाबॉलिज्म बढ़ाने में मदद करते हैं. इसके अलावा, सेलरी में फाइबर भी पाया जाता है जो पेट को भरा हुआ रखता है और भूख कम करता है. आइए जानते हैं इसके और भी फायदे..

सेलरी डिटॉक्स करता है

सेलेरी में पानी की मात्रा अच्छी खासी होती है, जो इसे एक हाइड्रेटिंग फूड बनाती है. सेलरी खाने से शरीर में पानी की कमी नहीं होती और वजन भी नियंत्रित रहता है. इसके अलावा, सेलरी में एंटीऑक्सीडेंट गुण भी होते हैं जो शरीर से विषैले पदार्थों और फ्री रेडिकल्स को बाहर निकालने में मदद करते हैं. ये शरीर की डिटॉक्स प्रक्रिया को बढ़ावा देकर हानिकारक टॉक्सिन्स से छुटकारा दिलाते हैं और एंटी-इंफ्लेमेटरी प्रभाव डालते हैं. इस प्रकार सेलेरी, अपने पानी और एंटीऑक्सीडेंट्स की उपस्थिति से शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालकर डिटॉक्सिफाई करने में मदद करता है.

चर्बी को जलाता है

सेलेरी में कई प्रकार के एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं जैसे विटामिन ष्ट, विटामिन श्व, बीटा कैरोटीन, ल्यूटिन आदि. ये सभी शरीर में ऑक्सीडेटिव तनाव कम करने का काम करते हैं. ऑक्सीडेटिव तनाव की वजह से शरीर में फ्री रेडिकल्स बनते हैं जो कोशिकाओं को नुकसान पहुंचा सकते हैं. सेलेरी के एंटीऑक्सीडेंट फ्री रेडिकल्स से लड़कर कोशिकाओं की रक्षा करते हैं. साथ ही, ये एंटीऑक्सीडेंट मेटाबॉलिज्म प्रक्रिया को तेज करके शरीर में अतिरिक्त चर्बी जलाने में मदद करते हैं. इस तरह सेलरी वजन घटाने और चर्बी कम करने का काम करता है.

सेलरी जूस कैसे बनाते हैं?

सबसे पहले सेलरी की स्टिक्स को अच्छे से साफ कर लें. फिर इन स्टिक्स का काट लें ताकि इन्हें जूसर में पीसा जा सके. अब इन कटी हुई स्टिक्स के साथ कुछ पत्ते सेलरी भी डालें. इसके बाद थोड़ा सा नींबू का रस और एक चम्मच शहद मिलाएं. अब इन सभी सामग्रियों को एक जूसर मशीन में डालकर अच्छी तरह पीस लें. एक बार सभी सामग्रियां अच्छी तरह मिक्स हो जाएं तो जूसर बंद कर दें. आपका टेस्टी और हेल्दी सेलरी जूस तैयार है. इसे बर्फ या फिर नॉर्मल पानी के साथ सर्व करें और आनंद लें.

उड़द की दाल ताउम्र बनाए रखती है जवान

नई दिल्ली/ एजेंसी

उड़द की दाल हमारे हेल्थ के लिए बहुत ही फायदेमंद होती है। यह गर्भवती महिलाओं के लिए एक हेल्थ पैकेज की तरह काम करती है। फाइबर से भरपूर उड़द की दाल, घुलनशील और अघुलनशील, दोनों प्रकार के डाइजेशन को इम्प्रूव करने में फायदेमंद है। उड़द की दाल में मौजूद डाइटरी फाइबर इसमें मदद करता है। डायरिया, कब्ज, ऐंठन या सूजन की परेशानियों से छुटकारा पाने के लिए अपने खाने में उड़द की दाल को शामिल करें। इसके अलावा, उड़द की दाल बवासीर और कॉलिक डिसऑर्डर की समस्याओं को दूर करने और लिवर को मजबूत बनाने में भी असरदार है। उड़द की दाल में उच्च मात्रा में फाइबर, मैग्नीशियम और पोटेशियम होते हैं, जो हमारे हार्ट की हेल्थ के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। यह कोलेस्ट्रॉल लेवल को बनाए रखता है और एथेरोस्क्लेरोसिस को रोकता है, जिससे हमारा कार्डियोवस्कुलर सिस्टम स्वस्थ रहता है। पोटेशियम शरीर के ब्लड सर्कुलेशन सिस्टम को सुधारने के साथ-साथ आपकी धमनी की दीवारों में होने वाले किसी भी नुकसान को रोकने में मदद करता है।

उड़द की दाल में आयरन भरपूर मात्रा में होता है, जो आपके शरीर में एनर्जी के लेवल को बढ़ाने में मदद करता है और आपको एक्टिव रखता है। आयरन लाल रक्त कोशिकाओं के बनने में मदद करता है, जो आपके शरीर के सभी अंगों में ऑक्सीजन ले जाने के लिए जिम्मेदार है। जिन गर्भवती महिलाओं में आयरन की कमी हो जाती है, उनके लिए आयरन से भरपूर उड़द की दाल का सेवन करना काफी फायदेमंद होता है। नियमित रूप से उड़द की दाल का सेवन करने से बॉडी में आयरन के साथ-साथ एनर्जी भी बनी रहती है। उड़द की दाल में मैग्नीशियम, आयरन, पोटेशियम, फॉस्फोरस और कैल्शियम जैसे महत्वपूर्ण मिनरल्स होते हैं, जो हड्डियों के मिनरल डेंसिटी को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं। नियमित रूप से उड़द की दाल का सेवन करने से आपको हड्डी से संबंधित समस्याओं को रोकने में मदद मिलेगी और आपकी हड्डियां भी सेहतमंद रहेंगी। उड़द की दाल हमारे नर्वस सिस्टम को मजबूत करने के अलावा हमारे ब्रेन को हेल्दी बनाती है।

गणतंत्र दिवस के लिए बच्चों से बनवाएं ऐसे Greeting Cards

नई दिल्ली/ एजेंसी

26 जनवरी यानी गणतंत्र दिवस के मौके पर स्कूलों में ज्यादा एक्टिविटीज नहीं होंगी क्योंकि कोरोना का भय अभी पूरी तरह से गया नहीं है। ज्यादातर बच्चे घर में रहकर ऑनलाइन पढ़ाई कर रहे हैं इसलिए बच्चों को इस दिन का महत्व बताने के लिए घर पर ही कुछ क्रिएचिव काम करवा सकती हैं। इस बार रिपब्लिक डे पर बच्चों को घर में ष्ठद्धद्ब क्राफ्ट एक्टिविटीज सिखाएं।

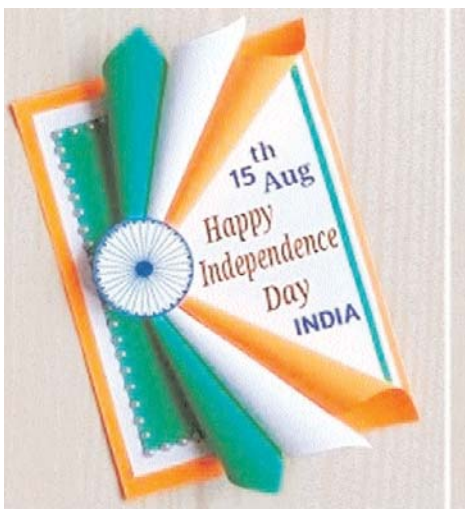

पहला तरीका

इस बार गणतंत्र दिवस पर बच्चों को ग्रीटिंग कार्ड बनाना सिखाएं। सबसे पहले व्हाइट या ट्राई कलर में से किसी एक रंग की मीडियम आकार की शीट लें और उसे बीच में बराबर फोल्ड कर लें। बाहर हल्की पेंटिंग करें और हाथ से गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं लिखें।

दूसरा तरीका

1. कलरफुल शीट लें। इसे भी बीच में से फोल्ड करके बराबरआकार दें। अब ट्राई कलर की शीट को लेकर इसे (जरूरतानुसार) बैलून शेप में काट लें।

2. पहली फोल्ड की शीट के अंदर देश भक्ति से जुड़ी कुछ पंक्तियां लिखें। अब धागा लेकर कटिंग किए बैलून जोड़ते जाएं। एक साइड पर ऑरेंज या अन्य मैचिंग कलर में एक पैच कटिंग करें जिस पर आप हैप्पी रिपब्लिक डे लिख दें।

3. उसके बाद ग्लू की मदद से एक-एक बैलून शीट के बाहरी तरफ ऊपरी तरफ से जोड़ते जाएं और धागा नीचे छोड़ते जाएं। कटिंग किए पैच पर सारे धागे अटैच करें और पेंट को शीट के निचले हिस्से पर सैट करें जैसा तस्वीर में दिखाया गया है। ग्रीटिंग कार्ड तैयार है। इसे आप जानकारों को भेज सकते हैं।

तीसरा तरीका

रिश्तेदार व दोस्तों को गणतंत्र दिवस के मौके पर घर के बने कार्ड भी भेज सकते हैं। इसके लिए, एक व्हाइट सख्त पेपर को बीच में से फोल्ड करें। अब आगे ऊपर और नीचे वाले हिस्से को बराबर से संतरी और हरा कलर से पेंट करें। आप इसके ऊपर डिजाइनिंग पेपर काटकर भी लगा सकते हैं। सेंटर में अशोक चक्र बनाएं। अब इसे अपनी पसंद से डैकोरेट करें।

टमाटर के सेवन से लिवर कैंसर का खतरा होता है कम

नई दिल्ली/ एजेंसी

टमाटर का अधिक मात्रा में सेवन करने से लिवर कैंसर का खतरा कम होता है। एक नये अध्ययन के अनुसार टमाटर का अधिक सेवन करने से लिवर कैंसर होने का खतरा कम होता है। टमाटर में लाइकोपीन नाम का एंटीऑक्सीडेंट, एंटी इंफ्लामेट्री और कैंसर को नष्ट करने वाले गुण पाए जाते हैं। टमाटर में मौजूद इन सभी चीजों से लिवर की सूजन, कैंसर का खतरा और अन्य समस्याएं खत्म होती हैं। कच्चे टमाटर के साथ टमाटर की सॉस, केचअप और टमाटर से बने प्रोडक्ट्स में लाइकोपीन भरपूर मात्रा में पाया जाता है। उन्होंने आगे बताया, लिवर कैंसर से सुरक्षित रखने में टमाटर का पाउडर बहुत अहम भूमिका निभाता है। कच्चे टमाटर में विटामिन-ई, विटामिन-सी, फोलेट, मिनरल्स, फिनोलिक कंपाउंड और डायट्री फाइबर पाए जाते हैं। अध्यान में पाया गया कि टमाटर के शरीर में सूजन पैदा करने वाले बैक्टीरिया को ग्रोथ नियंत्रण में रही। इस अध्ययन में शामिल किये गये चूहों को लिवर कार्सिनोजेन से संक्रमित किया गया। इसके बाद उन्हें हाई फैट डाइट दी गई थी। टमाटर के अलावा अमरूद, तरबूज, पपीते में भी लाइकोपीन पाया जाता है लेकिन टमाटर के मुकाबले इन चीजों में लाइकोपीन की मात्रा कम होती है। लाइकोपीन से भरपूर टमाटर और टमाटर से बनी चीजें जैसे टोमेटो सॉस को खाने से भी हृदय रोग, ऑस्टियोपोरोसिस, डायबिटीज, फेफड़े, स्तन और पेट आदि कैंसर का खतरा कम होता है।

कन्या राशि की लड़कियों के लिए परफेक्ट रहेंगे ये लड़के!

नई दिल्ली/ एजेंसी

हर किसी के मन में शादी से जुड़ा फैसला लेने के लिए बहुत ही बातें रहती है। असल में, हर कोई पार्टनर में अलग-अलग खूबियों की तलाश करता है। ताकि शादीशुदा जिंदगी हंसी-खुशी व सुखमय बीत सके। इसके लिए कई लोग शादी से पहले एक-दूसरे से मिलना व बात करना सही समझते हैं। इसके अलावा कई लोग शादी से पहले कुंडली मिलाते हैं। ताकि दोनों में कितने गुण मिलते हैं, शादी अच्छे से चलेगी या नहीं इसका पता लगाया जा सके। दरअसल, ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, लड़का और लड़की की कुंडलियां मिलाने से उनकी आने वाली जिंदगी के बारे में काफी हद तक पता लगाया जा सकता है। तो आइए आज हम आपको कन्या राशि की लड़कियों के साथ किस राशि का लड़का जीवनसाथी के रूप में एकदम परफेक्ट रहेगा बताते हैं...

1. जब दोनों कन्या राशि के हो

दोनों की कन्या के होने से इनमें काफी बातें सामान्य होगी। ऐसे में इन्हें एक-दूसरे की पसंद-नापसंद, रूचियों का भी पता होगा। इसलिए, शादी के लिए इनकी जोड़ी परफेक्ट कही जा सकती है।

2. लड़की कन्या राशि और लड़का वृष राशि

वृष राशि के लड़के बेहद सुंदर व अट्रेक्टिव होते हैं। ऐसे में कन्या राशि की लड़कियां इनसे जल्दी ही इंप्रेस हो जाती है। साथ ही ये लड़की नेचर से चंचल व खुशमिजाज होती है। वहीं वृषभ के लड़के थोड़े सीरियस व गंभीर सोच के मालिक होते हैं। ऐसे में इनकी खूब बनने के साथ मैरिड लाइफ खुशनुमा बीतेगी। इसलिए हम कह सकते हैं कि यह कपल शादी के लिए एकदम सही होगा।

3. लड़की कन्या राशि लड़का कर्क राशि

इन राशियों के लोगों की आपस में खूब बनती है। कर्क राशि के लड़के केयरिंग होने से अपने पार्टनर का अच्छे से ध्यान रखने व उनकी खुशी के लिए कुछ भी करने को तैयार रहते हैं। साथ ही इनकी काबिलियत के चलते अगर दोनों एक बार मिल जाए तो करियर को ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं। बात इनकी मैरिड लाइफ की करें तो इनका जीवन खुशहाली व सुखमय बीतता है। ऐसे में यह कपल आदर्श जोड़ी बनाने में कामयाब होता है।

4. लड़की कन्या राशि लड़का तुला राशि

ये दोनों ही एक-दूसरे से जल्दी ही अट्रैक्ट होते हैं। साथ ही ये प्यार व दोस्ती भरा नेचर रखने में यकीन करते हैं। दोनों राशि के लोग अपनी-अपनी काबिलियत के चलते ऊंचाइयों के शिखर को छूते हैं। ऐसे में ये साथ मिलकर मजबूत व गहरा रिलेशनशिप बनाने में विश्वास रखते हैं। ऐसे में इनको बेस्ट कहा जा सकता है।

5. लड़की कन्या राशि लड़का वृश्चिक राशि

इनमें धरती व पानी की तरह दोस्ती होती है। ऐसे में ये जल्दी ही एक-दूसरे को समझने के साथ घुल-मिल जाते हैं। जहां कन्या राशि की लड़कियां सेंसिटिव नेचर की होती है। वहीं वृश्चिक राशि के लड़के उनकी भावनाओं को बखूबी समझने के काबिल होते हैं। इसतरह ये एक-दूसरे मिल कर एक गहरा व मजबूत रिश्ता बनाते हैं। दोनों एक-दूसरे की कद्र व बातों को समझने के साथ बेइंतहा प्यार करते हैं। ऐसे में यह समाज के सामने एक आदर्श जोड़ी के रूप में आती है।

6. लड़की कन्या राशि लड़का मीन राशि

इन दोनों राशि के लोगों का नेचर, पसंद, नापसंद काफी हद तक एक जैसी होती है। ऐसे में इनकी खूब पटती है। दोनों को एक साथ समय बीताना अच्छा लगने के साथ खुशी मिलती है। जहां कन्या राशि की लड़कियों में किताबी ज्ञान होता है, वहीं मीन वाले लड़कों को रिसर्च करना अच्छा लगता है। ऐसे में ये दोनों एक साथ मिलकर जीवन में सफलताओं को पाते हैं। साथ ही इनकी लव लाइफ अच्छी बीतने से इनकी जोड़ी बेस्ट मानी जाती है। मगर फिर भी इन्हें एक-दूसरे के कोई बात छुपाने से बचने की जरूरत है।

घर में सुख-शांति चाहते हैं तो शाम के वक्त ना करें यह काम

नई दिल्ली/ एजेंसी

घर में सुख-शांति चाहते हैं तो शाम के वक्त ना करें यह काम झाड़ू का इस्तेमाल तो हर घर में होता है। इससे घर की सफाई होने के साथ सुंदर लगता है। मगर बात वास्तु की करें तो झाड़ू को धन की देवी लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। इसलिए झाड़ू को पैर लगाना से वास्तुदोष होने के साथ देवी लक्ष्मी की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही इससे जुड़े शगुन-अपशगुन हम पर अपना गहरा असर डालने का काम करते हैं। ऐसे में इसे घर पर रखने व इस्तेमाल करने से जुड़ी कुछ बातों का खास ध्यान रखने की जरूरत होती है। तो चलिए आज हम आपको झाड़ू से जुड़ी कुछ गलतियों के बारे बताते हैं। ताकि इन चीजों में सुधार करके धन संबंधी व जीवन में आने वाली परेशानियों से बचा जा सके।

इस समय झाड़ू लगाना शुभ

घर की सफाई हमेशा सुबह के समय करनी चाहिए। इसलिए दिन के वक्त ही झाड़ू लगाएं। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा फैलने के साथ देवी लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है।

गलती से भी ना लगाएं इस समय झाड़ू

ज्योतिष व वास्तुशास्त्र के अनुसार, शाम के समय में झाड़ू लगाने से घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इससे देवी लक्ष्मी की नाराजगी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में पैसों से जुड़ी परेशानी हो सकती है। माना जाता है कि इस समय झाड़ू लगाने से घर में दरिद्रता बढ़ती है। इस तरह झाड़ू रखने से बचें

मान्यता है कि झाड़ू को कभी भी खड़े करके नहीं रखना चाहिए।

क्या आपको भी लगती है ज्यादा ठंड, तो हो सकती है कोल्ड इनटॉलरेंस की समस्या, जानें इस बीमारी के बारे में

नई दिल्ली/ एजेंसी

सर्दी के मौसम में कई तरह की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है, ना सिर्फ इंफेक्शन बल्कि कई ऐसी बीमारियां होती है जिनका नाम तक शायद आपने नहीं सुना होगा। उन्हीं में से एक है कोल्ड इनटॉलरेंस। जी हां यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें शरीर ठंडा पड़ जाता है और आपको बहुत ज्यादा ठंड लगती है। इतना ही नहीं कोल्ड इन्टॉलरेंस होने से खून की कमी से लेकर थायराइड की बीमारी भी हो सकती है, आइए आज हम आपको बताते हैं कोल्ड इन्टॉलरेंस के बारे में।

क्या होता है कोल्ड इन्टॉलरेंस

डॉक्टर्स का मानना है कि अगर किसी इंसान को बहुत ज्यादा ठंड लगती है या कोई व्यक्ति कोल्ड टेंपरेचर के लिए काफी सेंसिटिव होता है, तो इस स्थिति को कोल्ड इन्टॉलरेंस कहा जाता है. सिर्फ सर्दी के मौसम में नहीं ऐसे लोगों को कूलर, एसी या हवा के पास बैठने पर भी सर्दी का एहसास होता है और कई बार कोल्ड इन्टॉलरेंस लोगों को सीत की समस्या भी होने लगती है।

कब होती है कोल्ड इन्टॉलरेंस की समस्या

कोल्ड इन्टॉलरेंस की समस्या क्यों होती है? तो एक्सपर्ट्स का मानना है कि हमारी बॉडी का जो टेंपरेचर है वह अलग-अलग सिस्टम से कंट्रोल किया जाता है. दिमाग में मौजूद हाइपोथैलेमस शरीर के तापमान को रेगुलेट करने के लिए थर्मोस्टेट के तौर पर काम करता है. यह दिमाग को मैसेज भेजता है जिसकी मदद से बॉडी में हीट प्रोडक्शन या कोल्ड प्रोडक्शन को कंट्रोल किया जाता है.

कोल्ड इन्टॉलरेंस से कैसे बचें

अब बात आती है कि कोल्ड इन्टॉलरेंस की समस्या से कैसे बचा जाए, तो इसके लिए जिन लोगों को बहुत ज्यादा ठंड लगती है उन्हें गर्म कपड़े पहनकर ही पूरे समय रहना चाहिए, इतना ही नहीं पूरी बॉडी को वार्मर से कवर करें और उसके ऊपर अपने रेगुलर कपड़े पहनें. अगर आपकी स्किन बहुत ज्यादा सेंसिटिव है तो आप सॉफ्ट वूलन का इस्तेमाल करें, क्योंकि कई बार कोल्ड इन्टॉलरेंस की समस्या के कारण शरीर में चकत्ते भी पड़ने लगते हैं।

तेजस्वी प्रकाश ने कैमरे के सामने दिए किलर पोज, बार-बार देखा जा रहा है स्टनिंग लुक

मुम्बई/ एजेंसी

मशहूर टीवी एक्ट्रेस तेजस्वी प्रकाश अक्सर किसी वजह से चर्चा में बनी रहती हैं. उन्होंने अपने टीवी शोज से ज्यादा सुर्खियां लव लाइफ और क्यूटनेस के कारण बटोरी है. इसके अलावा तेजस्वी अपने लुक्स की वजह से भी काफी चर्चा में रहती हैं. अक्सर वह फैंस के साथ अपनी ग्लैमरस अदाएं दिखाते हुए सोशल मीडिया पर फोटोज शेयर करती रहती हैं. ऐसे में उनके फॉलोअर्स की लिस्ट भी काफी लंबी होती जा रही है, जो उनकी एक झलक पाने के लिए बेताब रहते हैं. अब फिर से एक्ट्रेस ने फैंस के दिलों की धड़कनें तेज कर दी हैं.

लेटेस्ट फोटोशूट में तेजस्वी को डिजाइनर लूज पैंट और ऑफ शोल्डर टॉप पहने हुए नजर आ रही हैं. उन्होंने अपने इस लुक को मिनिमल मेकअप से कंप्लीट किया है.

एक्ट्रेस ने यहां शाइनी बेस, ग्लॉसी लिप्स और न्यूड ग्लिटरी आई मेकअप रखा है. इसके साथ तेजस्वी ने बालों को वेवी टच देकर ओपन हेयर स्टाइल बनाया है.

तेजस्वी ने अपने इस लुक को फ्लॉन्ट करते हुए कैमरे के सामने एक से एक स्टनिंग पोज दिए हैं. यहां वह हमेशा की तरह बहुत गॉर्जियस और अट्रैक्टिव दिख रही हैं. अब फैंस के बीच उनका ये नया लुक भी काफी वायरल होने लगा है. चाहने वालो ने उनकी तारीफों के पुल के बांधते हुए कई कमेंट्स किए हैं. दूसरी ओर तेजस्वी के वर्क फ्रंट की बात करें तो बीते वर्ष उन्हें मराठी फिल्म, नागिन 6 और म्यूजिक वीडियोज जैसे कई

प्रोजेक्ट्स में देखा गया. हालांकि, इसके बाद से ही एक्ट्रेस ने अपने नए प्रोजेक्ट का ऐलान नहीं किया है. तेजस्वी के चाहने वाले उन्हें फिर से पर्दे पर देखने के लिए उत्साहित हैं.

अदिति राव हैदरी ने अपनी पसंदीदा छोटी काली बोट्टू की स्टोरी की शेयर

मुम्बई/ एजेंसी

एक्ट्रेस अदिति राव हैदरी ने छोटी काली बिंदी यानी बोट्टू के बारे में एक दिल छू लेने वाला किस्सा साझा किया है, जिसे पहनने के प्रति शुरुआती अनिच्छा से लेकर एक विशेष लगाव बनने तक, वह अब इसे अपनी पसंदीदा के रूप में संदर्भित करती हैं।

दिल्ली 6, मर्डर 3, पद्मावत जैसी फिल्मों में अपने काम के लिए जानी जाने वाली अदिति ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर शनिवार को लहंगे में अपनी खूबसूरत तस्वीरें साझा की।

ब्लैक कलर के लहंगे पर एंब्रॉयडरी का काम है और उन्होंने इसे एक स्वीटहार्ट नेकलाइन वाले मैचिंग ब्लाउज और ट्रांसपेरेंट दुपट्टे के साथ जोड़ा है।

अदिति ने न्यूट्रल मेकअप लुक, हैवी ब्रो और न्यूड पिंक लिप्स को चुना। उन्होंने बालों को सिग्नेचर तरीके से स्टाइल किया। एसेसरीज के तौर पर उन्होंने एक हाथ में मल्टीकलर की चूड़ियां और मैचिंग झुमका चुना। ओवरऑल लुक को काली बिंदी के साथ पूरा किया गया।

छोटी काली बिंदी के बारे में विस्तार से बताते हुए, अदिति ने अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए एक हार्दिक नोट लिखा।

एक्ट्रेस ने लिखा, छोटी काली बिंदी! जब मैं छोटी थी तब मुझे कभी बोट्टू (हैदराबाद में बिंदी को यही कहा जाता है) नहीं पसंद थी। यह भारतीय परंपरा का हिस्सा है। मेरी मां सिन्दूर में हल्दी से बना कुमकुम बोट्टू लगाती थी, मैं उन्हें कुमकुम बोट्टू बनाते हुए देखती थी, बस इतना ही और वह बिना किसी मेकअप के चमकने लगती थी। मैं डांस क्लास में जाती थी और बिना किसी झंझट के अपनी साफ-सुथरी लंबी चोटी बनाती थी, लेकिन मैं बोट्टू नहीं लगाती थी!

अदिति ने कहा, कई साल बाद जब मैंने मणि सर के साथ काटरू वेलियिदाई की शूटिंग शुरू की तो मेरे माथे पर छोटी सी काली बिंदी लगाई गई।

अष्टयोग - क्रमांक 2129

6		7			5	
2	28		40	7	35	
		5	6	4		3
5	28		38		34	1
4	2				1	7
	31	2	24	1	30	
7		1	4			5

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग क्रमांक 2128 का हल

7	6	1	4	2	3	5
2	28	4	33	7	35	4
1	2	5	6	4	7	3
5	28	3	38	6	34	1
4	2	6	3	5	1	7
3	31	2	31	1	30	6
6	1	7	4	3	5	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

काकुरो पहेली - क्रमांक 2129

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

काकुरो क्रमांक 2128 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - क्रमांक 2129

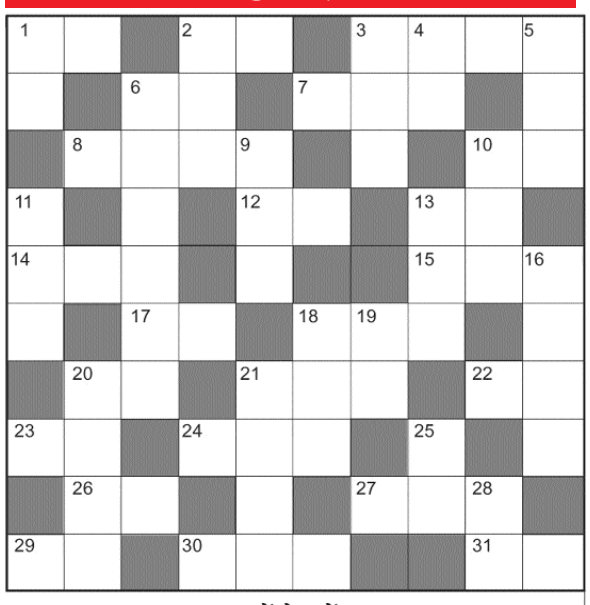

बायें से दायें:-

१. मनोज, विवेक, अंतरा की 'मखमली ये बदन' गीतवाली फिल्म-२
२. 'मैं शायर तो नहीं' गीतवाली फिल्म-२
३. अभिषेक, ऋषिता भट्टा की फिल्म-४
६. 'बंदा ये बिंदास हैं' गीतवाली फिल्म-२
७. 'मेहंदी' में रानी का नायक?-३
८. 'तुझे देने को मेरे पास' गीतवाली अक्षय खन्ना, उर्मिला की फिल्म-४
१०. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश की फिल्म-२
१२. 'विल यू मैरी मी' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-२
१३. 'याइला रे लड़की' गीतवाली संजय दत्त, जैकी शिल्पा, की फिल्म-२
१४. इस फिल्म में अभिनय के लिये रवीना को राट्रीय पुरस्कार मिला था-३
१५. 'हरे रामा हरे कृष्णा' से फिल्मों में आई एक ब्यूटी क्वीन-३
१७. 'हुई आँख नम' गीत वाली फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, रणधीर कपूर, राकेश रोशन, रेखा, सनोबर कबीर की फिल्म-३
२०. राजकुमार, सुनीलदत्त वाली फिल्म 'हमराज' की नायिका-२
२१. 'ये रात ये बरसात' गीत वाली फिल्म-३
२२. मनोज वाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
२३. 'मैं तुझसे मिलने' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२
२४. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'समंदर' में पूनम का नायक?-२
२७. शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
२९. 'चल प्रेमनगर जायेगा' गीत वाली रणीधीरकपूर, बबीता की फिल्म-३
३०. 'ये जो हल्का हल्का सुरूर है' गीत वाली फिल्म-३
३१. सनी, तब्बू, रीमा सेन की एक फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'नाच मेरी बुलबुल' गीत वाली राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२
२. मिथुन, रति अग्निहोत्री की 'ऐ देखो इधर' गीत वाली फिल्म-३
३. इंतहा हो गई' गीत वाली अमिताभ, जया की फिल्म-३
४. डिनो मोरिया, बिपाशा की 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
५. 'यार बदल ना जाना' गीत वाली अक्षय, करीना की फिल्म-३
६. एलबम 'तेरा चेहरा' का गायक-४,२
९. निर्मात्री-नायिका पूजा भट्ट व शरद कपूर की एक फ्लॉप फिल्म-३
१०. 'जोगी मत जा' गीत वाली दिलीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-३
११. दिलीप, मनोज, वहीदा की 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
१३. अमिताभ, जया की 'दीवाने हैं दीवानों को' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल दीवाने का' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
१८. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'सुनता जा' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२०. अनिलकपूर, तब्बू, पूजा बत्रा की 'पायलें झूमें' गीत वाली फिल्म-४
२१. प्रदीप कुमार, नर्गिस की 'यूँ हसरतों के दाग' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'फूल माँगूँ ना बहार' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - क्रमांक 2128 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

गणित पहेली - क्रमांक 2129

79		15		74		2	=	40
40		25		50		25	=	40
5		10		2		25	=	50
40		4		40		20	=	70
=		=		=		=		=
4		34		52		5	=	60/85

Jagrutidaur.com, Bangalore

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

गणित पहेली क्रमांक 2128 का हल

20	+	40	-	58	+	25	=	27
+		-		x		-		-
33	-	12	+	3	-	14	=	10
-		+		÷		+		+
25	x	5	+	6	-	72	=	59
+		-		-		-		-
33	÷	3	-	5	x	10	=	60
=		=		=		=		=
61	-	30	-	24	+	73	=	16/80

शब्दजाल - क्रमांक 2129

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जो 'ज' से शुरु होते हों. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हैं.

अ	ज	ख्री	रे	दा	र	रि	सि	या	र	ट	
दा	वि	ल	ग	व	जी	ग	द	इ	ह	ली	
गि	स	शे	ज	ग	न्ना	थ	ता	गा	क	क	
री	ज	र	दो	पु	ज	न	म	न	त	ज	
क	ग	ग	भा	लू	लं	ग	म	ग	व	न	
जी	द	ल	जा	य	ज	पू	ना	हि	र	नी	
ती	गु	म	झ्री	हि	प	र	श	र	र	ल	
क	रु	ल्जा	ई	धा	र	क	ज	ल	न	ण	
ने	वा	म	न्न	ब्रा	ह	त्या	री	श	प	क	
ज	ग	त	प	व	ज	ग	दा	चा	र्य	त	
क	दु	ल्हे	रा	नी	ल	ज	ग	ख्या	त	थ	

जखरीदार, जगख्यात, जगदाचार्य, जगत, जगदगुरु, जगजाहिर, जननी, जगन्नाथ, जलन, जगमगाहट

शब्दजाल क्रमांक 2128 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का इतिहास 23 जनवरी

1570 स्काटलैंज के रीजेट मोरे के अर्ल की हत्या हुई.
1668 इंग्लैंड और हालैंड ने आपसी सहयोग समझौता किया.
1799 फ्रांसीसी सैनिकों ने नेपल्स इटली पर कब्जा किया.
1849 प्रसिया ने आस्ट्रिया के बिना जर्मन यूनियन का प्रस्ताव किया.
1897 नेताजी सुभाषचंद्र बोस का जन्म कटक में हुआ.
1913 तुर्की की सैनिक क्रांति में नाजिम पाशा मारे गए.
1920 प्रथम विश्व युद्ध के अपराधी के रूप में जर्मनी के विलियम द्वितीय को मित्र राष्ट्रों के हवाले करने से हालैंड ने इंकार कर दिया.
1965 दुर्गापुर इस्पात संयंत्र ने काम शुरू किया.
1966 इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री बनी.
1977 जनता पार्टी का गठन हुआ था.
1973 वियतनाम युद्ध में समझौते की घोषणा अमरीकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने की.
1991 इराक के तेल मंत्रालय ने गैसोलिन की ब्रिक्री रोकी.
1992 एस्टोनिया के प्रधानमंत्री एडगर सैविसार ने इस्तीफा दिया.
1993 इराक ने अमरीकी लड़ाकू विमानों पर विमान भेदी तोपों से हमले का आरोप गलत बताते हुए युद्ध विराम का पालन करने की घोषणा की.
2002 राट्रीय जनता दल अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव जमानत पर रिहा.
2004 मध्य प्रदेश में गोवंश वध पर पूर्णतया प्रतिबंध लागू.
2005 उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में सेना के जवानों ने फरवका एकस्प्रेस से 6 लोगों को बाहर फेंक दिया. 5 लोग मरे व एक घायल हुआ.
2006 भारत ने पाक को सर्वाधिक वरीयता प्राप्त राष्ट्र का दर्जा देने की सिफारिश को मंजूर कर लिया.

वर्ग सामर्थ्य - क्रमांक 2872

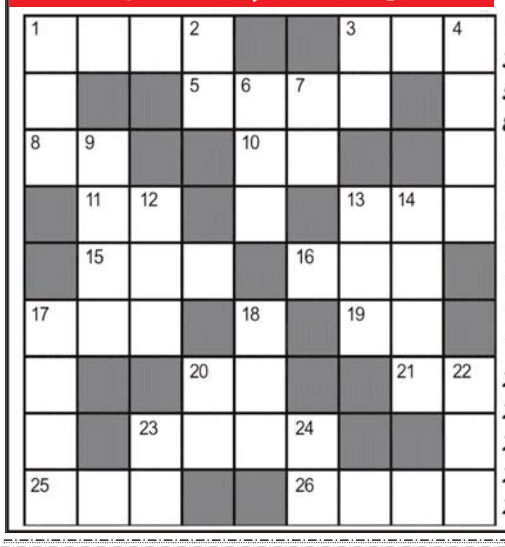

बाएँ से दाएँ

1. अँगरखा-4
3. मान-सम्मान, इज्जत-3
5. शुभार्शीवाद, नियामत-4
8. केश-2
10. कसम, प्रतिज्ञा, वचन-2
11. बुरी आदत-2
13. मगरमच्छ-3
15. परिणाम-3
16. माँड़ी, स्टार्च-3
17. अक्षर (उर्दू-3)
19. रोम, केश-2
20. अधिकार, आरोप-2
21. सतह, स्तर, पटल-2
23. लूटपाट, डाका-4
25. सभ्यीकरण, विवेक-3
26. एक प्रसिद्ध कवि-4

ऊपर से नीचे

1. अनोखा, विचित्र, विलक्षण-3
2. नया, नवीन-2
3. इज्जत-2
4. कपोल-4
6. गमन, प्रेषित-3
7. पिता के पिता-2
9. चुनौती-4
13. गंदगी का ढ़ेर-3
14. असावधानी-4
17. जेल, कालकोठरी-4
18. शोर, ध्वनि, कंपन्न-3
20. ताप, शवदाह-2
22. यज्ञ, आहुति दान-3
23. रहस्य-2
24. जल, पानी-3

वर्ग सामर्थ्य क्रमांक 2871 का हल

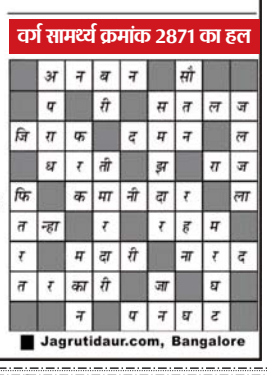

Jagrutidaur.com, Bangalore

अंकजाल - क्रमांक 2129

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

	15	14	26	16	22		30	21	
27	8		2		5		9		11
32		5		7				2	10
			2		7		3		34
14		5			7			5	25
22	6		3				2		12
36		3		7		8			
13	5				6		7		28
11		6		3		7		5	25
	24	29		20	16	44	15	8	

अंकजाल क्रमांक 2128 का हल

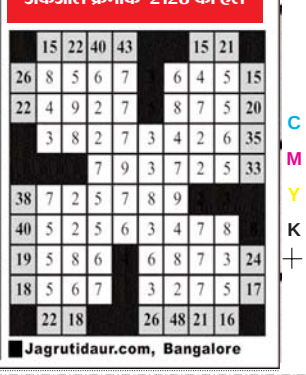

Jagrutidaur.com, Bangalore

बिंदास बोल

राहुल की न्याय यात्रा से भाजपा की चिंता बढ़ी

14 जनवरी से राहुल गांधी की न्याय यात्रा मणिपुर से शुरू हो गई है। यह यात्रा असम तक पहुंच गई है।मणिपुर,नगालैंड और असम में जिस तरह से न्याय यात्रा का स्वागत हुआ है। उसको देखते हुए भारतीय जनता पार्टी की चिंता बढ़ने लगी है।ऐसा माना जा रहा था, कि पूर्वोत्तर के राज्यों में कांग्रेस का पूरी तरीके से सफाया हो चुका है। राहुल गांधी की यात्रा यहां फ्लॉप हो जाएगी। लेकिन परिणाम बिल्कुल उल्टे देखने को मिल रहे हैं। असम में जिस तरह की भीड़ न्याय यात्रा के लिए जुड़ी है। उसको लेकर भारतीय जनता पार्टी की 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर चिंता बढ़ने लगी है। राहुल गांधी की न्याय यात्रा जब हिंदी भाषी राज्यों में अथवा जहां कांग्रेस का प्रभाव है। वहां पर आएगी, तब इसका क्या असर होगा। इसका आकलन अभी से शुरू हो गया है। असम में जिस तरह से उन्होंने मुख्यमंत्री विस्वा शर्मा को सबसे भ्रष्ट सरकार बताते हुए ललकारा है। उसने भी भाजपा की चिंता बढ़ा दी है।

अब रामानंदी कौन है,

विश्व हिंदू परिषद के वरिष्ठ नेता चंपत राय ने राम मंदिर को रामानंदी संप्रदाय का मंदिर बता दिया है। अयोध्या का मंदिर जब रामानंदी संप्रदाय का है। उन्होंने यह भी कह दिया है, कि राम मंदिर सन्यासियों, शैव अथवा विष्णु भक्तों का नहीं है। इसका जवाब शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने दिया। उन्होंने कहा कि चंपत राय खुद रामानंदी नहीं है। तो वह वहां पर क्या कर रहे हैं।निर्मोही अखाड़े ने भी कहा, कि वह अभिषेक में रामानंदी परंपरा का पालन नहीं कर रहा है। चंपत राय के बयान ने एक नया विवाद पैदा कर दिया है। आरएसएस के मनमोहन वेद्य, इस मामले में पटाक्षेप करने सामने आए। उन्होंने कहा कि वैष्णव, शैव, जैन, शक्ति वाद, तथा रामानंद संप्रदाय सभी हिंदू धर्म का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा इसमें किसी का कोई विरोधाभास नहीं है। संघ जल्दी समझ गया है, कि आगे चलकर क्या नुकसान होने वाला है।

300 साल पुराने विवाद में फंसे हिंदू साधू और सन्यासी

चंपत राय ने अयोध्या के राम मंदिर को रामानंदी संप्रदाय का मंदिर बताकर 300 साल पुराने घाव को एक बार फिर से कुरेद दिया है। 18 वीं शताब्दी में संन्यासियों को सत्ता से बेदखल करने के लिए निर्मोही अखाडा, जो रामानंद संप्रदाय का सशस्त्र अखाड़ा था। इसने वहां से सन्यासियों को खदेड़ा था।चंपत राय के इस बयान से अब 300 साल पुरानी दुश्मनी एक बार फिर से जीवित हो गई है।अब यह मामला आगे चलकर कौन सा रूप लेता है, भगवान राम ही जाने। अयोध्या में यह माना जाता है कि हनुमान टीला को मंदिर और किले हनुमानगढ़ी में बदलने के लिए रामानंदियों की मदद अवध के नवाब ने की थी। मुस्लिम शासको की मदद के कारण ही हनुमानगढ़ी शक्ति का मुख्य केंद्र अयोध्या में बना था। चंपत राय की ना समझी से एक बार फिर 300 साल पुराना घाव हरा हो गया है।

चंडीगढ़ के मेयर का चुनाव टला

चंडीगढ़ के मेयर चुनाव की चर्चा राष्ट्रीय स्तर पर हो रही है। मेयर के चुनाव के लिए कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने हाथ मिला लिया था।जिसके कारण मेयर इंडिया गठबंधन का चुना जाना तय था। भारतीय जनता पार्टी ने हर तरीके से कोशिश की, कि पार्षदों को अपने पक्ष में लाया जा सके। कांग्रेस पहले की तरह चुनाव का बहिष्कार कर दे।जब भाजपा इसमें सफल नहीं हुई,तो चुनाव अधिकारी के बीमार होने की बात कहकर चुनाव को टाल दिया।चंडीगढ़ में भाजपा के 14 आम आदमी पार्टी के 13 और कांग्रेस के 7 सदस्य हैं। पहले दो बार कांग्रेस ने चुनाव में हिस्सा नहीं लिया था। जिसका फायदा भाजपा को मिला और भाजपा का मेयर चुना गया था। अब इंडिया गठबंधन में दोनों पार्टियों का करार है। जिसके कारण मेयर पद का चुनाव टाल दिया गया। इससे भाजपा की बड़ी किरकिरी हो रही है। पुणे लोकसभा, मुंबई महानगर पालिका तथा दिल्ली के चुनाव भी इसी तरीके से टाले गए थे। इंडिया गठबंधन को भाजपा के ऊपर हमला करने का एक नया मौका मिल गया है।

भगवान श्री राम के आदर्शों एवं आचरण को आत्मसात कर जीवन को सफल बनायें- टंकराम वर्मा

रायपुर/छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस

अयोध्या में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में 22 जनवरी 2024 को सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर बलौदाबाजार स्थित षष्ठी मंदिर प्रांगण में आयोजित जिला स्तरीय रामभक्तिमय सांस्कृतिक कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री टंकराम वर्मा शामिल हुए। मंत्री श्री वर्मा ने षष्ठी मंदिर में माता षष्ठी एवं शीतला के दर्शन कर पूजा- अर्चना की। इसके पश्चात उन्होंने राम दरबार के तैल चित्र की विधि विधान से पूजा-अर्चना व आरती कर सभी के लिए शुभ मंगल की कामना की।अयोध्या में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का षष्ठी मंदिर में जीवंत प्रसारण हेतु एलईडी स्क्रीन की व्यवस्था की गई थी। प्रभु श्री राम की अद्भुत एवं अलौकिक रूप देख लोग भाव विभोर हो गए। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों ने दोनों हाथ ऊपर उठाकर जय श्री राम के जयघोष का उच्चारण किये। मंदिर प्रांगण शुभ शंख नाद एवं घंटियों की ध्वनि से गुंजायमान हो गया। इस अवसर पर राम भजन रस धारा निरंतर बहती रही। श्री रामलला के स्वागत को लेकर लोगों में बेहद उत्साह का वातावरण था।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि भगवान श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की ऐतिहासिक व अलौकिक पल के आज हम सब साक्षी बने हैं। जो सपना हमारे पूर्वजो ने देखा था उसे लंबे समय बाद साकार होते देख रहे है। अयोध्या हमारे लिए आस्था का केन्द्र है। इस दिन को देखने के लिए हजारों सनातनियों ने बलिदान दिया। प्रभु श्री राम सबके हैं। श्री राम कथा का श्रवण के साथ ही उनके आदर्शों पर चलने और आचरण को आत्मसात करने से ही जीवन सफल होगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ संस्कार भी जरूरी है। बच्चो को संस्कारवान बनाने में माताओं की सबसे अधिक भूमिका होती है। मंत्री श्री वर्मा ने 1528 में आक्रांता बाबर के द्वारा मंदिर तोड़े जाने से लेकर 2019 में उच्चतम न्यायालय द्वारा राम जन्मभूमि के पक्ष में फैसला देने तक के विभिन्न घटनाओं का सिलसिलेवार ढंग से प्रकाश डाला। इस दौरान उन्होंने 'नगरी हो अयोध्या की, रघुकुल का घराना हो' भजन गाकर कार्यक्रम को रामभक्तिमय बनाया। जनपद अध्यक्ष श्रीमती सुमन वर्मा ने कहा कि 500 वर्ष के लंबे इंतजार के बाद श्री रामलला विराजमान हुए हैं। भगवान श्री राम मर्यादा में रहने की सीख देते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी की पहल से अयोध्या में श्री रामलला का भव्य मंदिर साकार हुआ है।

मानस मंडलियों ने दी मनमोहक प्रस्तुति

इस अवसर पर जय भोले शंकर मानस परिवार रिसदा, सुर श्रृंगार मानस मण्डली सुहेला, तुलसी मानस मंडली लच्छनपुर, रामसेतु मानस मंडली मल्दी, माँ नन्दिनी मानस परिवार तुरमा एवं सिविल लाइन मानस परिवार के द्वारा राम भजन व चौपाईयों की मनमोहक प्रस्तुति दी। अतिथियों के द्वारा प्रत्येक मानस मण्डली को 5000 रुपये प्रोत्साहन राशि, रामचरित मानस का गुटका एवं श्रीफल भेंट किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर चंदन कुमार, अपर कलेक्टर द्वय व्ही सी एक्का एवं अनुपम तिवारी,एसडीएम सुश्री रोमा श्रीवास्तव, विजय केशरवानी, अशोक केशरवानी, खोडस राम कश्यप, विद्याभूषण साहू, सोहन लाल यदु सहित अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित थे।

राहुल गांधी की न्याय यात्रा से भाजपा डर गयी हमले करवा रही है - दीपक बैज

राहुल गांधी से डरी भाजपा ने असम में मंदिर जाने से रोका

रायपुर/छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस

राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा को मिल रही सफलता तथा लोगों के व्यापक जनसमर्थन से भाजपा डर गयी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि भाजपा की असम सरकार गुंडे तत्वों से भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर हमले करवा रही है। अफसोस की बात है, भाजपा खासकर असम में देश के सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, इस शांतिपूर्ण यात्रा को बाधित करने की लगातार कोशिश कर रहे है। पिछले दो दिनों में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के काफिलों पर योजनाबद्ध हमले किये गये उपद्रवियों द्वारा यात्रा के पोस्टरों को फाड़ने की घटनाएं देखी है। भाजपा कार्यकर्ताओं की जानबूझकर इकट्ठी की गई भीड़ ने राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो यात्रा काफिले पर हमला किया, जिसके परिणामस्वरूप असम पीसीसी अध्यक्ष सहित कांग्रेस पार्टी के कई नेता घायल हो गये। भाजपा समर्थित इन गुंडो द्वारा न्याय यात्रा पर ताजा हमला किया गया। यह और कुछ नहीं बल्कि असम के मुख्यमंत्री और केन्द्र की भाजपा सरकार की प्रशासनिक विफलताओं और भ्रष्टाचार को छिपाने का एक हताश प्रयास है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि राहुल गांधी से डरी भाजपा ने असम में मंदिर जाने से रोका गया। राहुल गांधी शंकरदेव मंदिर जाना चाहते थे तथा कुछ देर वहां बिताना चाहते थे लेकिन राहुल गांधी की यात्रा को मिल रहे अपार जनसमर्थन से घबराई भाजपा की असम सरकार ने उन्हें मंदिर जाने से रोक दिया। यह बताता है कि भाजपा राहुल गांधी से घबरा रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो न्याय यात्रा, जो 14 जनवरी को मणिपुर में शुरू हुई थी, सफलतापूर्वक मणिपुर, नागलैंड, अरूणाचल प्रदेश से होकर गुजरी है और अब असम में प्रवेश कर गई है। लोगो के दिलों को छूने वाली यह यात्रा युवाओं, महिलाओं और हाशिए पर रहने वाले लोगो के लिये न्याय की मांग कर रही है। लोग यात्रा से जुड़ रहे है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि राहुल गांधी की यह यात्रा जनआंदोलन बन चुकी है। भाजपा कितना भी षड़यंत्र कर ले भारत के लोगों की मजबूत आवाज महंगाई, बेरोजगारी, अशिक्षा अन्याय के खिलाफ निकली यह यात्रा अपने पड़ाव तक लक्ष्य हासिल करते तक बिना किसी डर के अनवरत रूप से चलेगी।

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर भिलाई हुआ राममय

भिलाईनगर/छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस

अयोध्या में श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर लघु भारत भिलाई आज राममय हो गई है। चारों ओर भगवा के साथ जय श्रीराम के नारे गुंजायमान हो रहे हैं। इस शुभ अवसर पर प्रदेश के पूर्व केबिनेट मंत्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय आज भिलाई में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। उन्होंने इस ऐतिहासिक क्षण पर हर्ष जताते हुए कहा कि 5 सदियों के लबे इंतजार के बाद रामलला अपने मंदिर में विराजे हैं, इससे सुखद कुछ नहीं हो सकता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करकमलों से यह शुभ कार्य सम्पन्न हुआ। निश्चित ही यह ऐतिहासिक दिन है जिसे भव्य रूप से हम सभी मनाएंगे और श्रीराम ज्योति से अपने घरों को रोशन करेंगे।

पाण्डेय आज न्यू खुर्सीपार वार्ड 47 में आयोजित भव्य शोभायात्रा कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस दौरान भगवान राम के जयकारों से पूरा माहौल भक्ति में हो गया। भगवान राम के शोभायात्रा के दौरान भगवान राम के भजन कीर्तन पर राम भक्त जमकर थिरके। शोभायात्रा में हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए। इस दौरान राम भक्तों ने जमकर आतिशबाजी की। श्री पाण्डेय ने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक है यह क्षण हमें यूं ही नहीं मिला है। इसमें अनेक राम भक्तों की वर्षों की तपस्या, संघर्ष एवं बलिदान है। हम लोग बड़े ही सौभाग्यशाली हैं जो आज इस ऐतिहासिक और दिव्य क्षण के साक्षी बन रहे हैं। बड़े गर्व व सौभाग्य की बात है कि 500 वर्ष के इंतजार और कलियुग के वनवास के बाद हमारे प्रभु श्री रामलाल अपने भव्य और दिव्य मंदिर में पधार रहे हैं। आज केवल अयोध्या नगरी ही नहीं बल्कि पूरे देश राममय होगा।

जेल में भी बही भक्ति की बयार

भिलाईनगर/छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस

आज सुबह केंद्रीय जेल दुर्ग में वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन की पहल पर भजन कीर्तन के साथ अयोध्या में श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा की खुशियां मनाई गई। महिला और पुरुष जेल को बंदनवार से सजा कर सभी बंदी कान्हा महाराज के भजन पर घंटों झूमते रहे। जेल अधीक्षक आर आर राय सहित आयोजन में सभी बंदी शामिल हुए। विधायक रिकेश सेन ने कहा कि आज रामलला की 500 वर्षों बाद वापसी की खुशियां पूरा देश अपने अपने परिवार के साथ हर्षोल्लास से मना रहा है, ऐसे में उन्हें जेल के बंदियों का ख्याल आया अत: इस ऐतिहासिक क्षण को सेलिब्रेट करने विधायक होने के नाते वो केंद्रीय जेल पहुंचे हैं ताकि वहां भी भगवान श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा की खुशियां पहुंच सके और मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के आदर्शों को अपना कर सभी क्रोध और अपराध से दूर रहें।

आपको बता दें कि महिला जेल में शाहिद आरीफ ने भजन गाए जबकि पुरुष जेल में कान्हा महाराज के भजन से सभी झूमने लगे। जेल परिसर स्थित श्रीराम दरबार, कृष्ण और मां दुर्गा मंदिर में विशेष हवन पूजन और आरती कर सभी ने जयकारे लगाने के बाद प्रसाद ग्रहण किया।

वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने कहा कि आज अयोध्या में प्रभु राम की वापसी हुई है, प्राण प्रतिष्ठा समारोह है और हम सभी केंद्रीय जेल दुर्ग पहुंचे हुए हैं। यहां पर महिला कैदी भी बंदी हैं और पुरुष भी जो बंदी हैं, दोनों की संख्या मिला दी जाए तो लगभग बाईस सौ के लगभग हैं। आज दोनों जेल में भजन हुआ और साथ में जेल को भगवा तोरण और झंडों से सजाया गया। सभी जितने बंदी हैं आज भगवान राम के भजन पर सभी झूम उठे और उन्होंने वायदा भी किया अपने भगवान से कि यहां से जब हम निकलेंगे तो निश्चित रूप से आध्यात्म की दुनिया में जाएंगे। राम नाम जपेंगे और किसी भी प्रकार का कोई अपराध नहीं करेंगे, अपने परिवार के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे, बच्चों को अच्छी शिक्षा देंगे ताकि जिस जेल में आज वो कैदी हैं, जेल में उनके बच्चे मुख्य अतिथि बनकर आएं, उन्हें गार्ड ऑफऑनर दिया जाए, ऐसी उनकी सोच है। मुझे ऐसा लगता है कि रामलला की वापसी जिस प्रकार से हुई, पाँच सौ साल बाद मनुष्यों में, इंसान में भी बड़ा बदलाव आएगा और कहीं न कहीं हम सब जो हैं भगवान रामलला की वापसी का स्वागत कर रहे हैं।

ीरामलला प्राण- प्रतिष्ठा के अवसर पर ग्राम पंचायत चरौदा हुआ राममय

रायपुर/छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस। ग्राम पंचायत चरौदा विकासखण्ड धरसींवा में आज 'अयोध्या में श्री रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा' के पावन अवसर का लाइव प्रसारण, गुड़ी चौक में प्रोजेक्टर के माध्यम से किया गया। कार्यक्रम के दौरान चरौदा वासी राममय हो गए। आयोजन में ग्रामीणों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया, 500 से अधिक उपस्थित जनसमूह ने 'जय श्री राम' का जयकारा लगाते हुए आतिशबाजी भी की। इस अवसर पर विधायक श्री अनुज शर्मा उपस्थित थे।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा पर भाजपाइयों ने मनाया उत्सव

आज से भारत में नए युग का उदय होगा देश में आयेगा राम राजः- जयंती पटेल

रायपुर/छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस

आज अयोध्या में प्रभु श्री राम जी के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही राम मंदिर आम जनमानस के लिए उद्घाटित कर दिया गया भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्य यजमान के रूप में सारे नियमों का पालन करते हुए मंदिर प्राण प्रतिष्ठा पर राम लला की पूजा अर्चना की आपको बता दें की प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान के लिए मुख्य यजमान को यम नियम का पालन करना होता है जिसमे 11 दिन तक पूर्णत: व्रत का पालन करना होता है बिस्तर का त्याग , प्रात: स्नान और अन्न का त्याग किया जाता है जिसका पालन प्रधानमंत्री मोदी ने यजमान के रूप में किया प्रभु श्री राम मंदिर उद्घाटन पर पूरे देश में उत्सव का माहौल है देश दुनिया के राम भक्तो में उत्साह हर गली मोहल्ले में देखने को मिला हर घर दीपावली जैसा नजारा देखने को मिला ।

भाजपा ने मंदिर उद्घाटन को मनाया दीपोत्सव की तरह

इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी रायपुर शहर जिला के कार्यकर्ताओं ने भी दिन भर अपने अपने क्षेत्रों के मंदिरों में विभिन्न आयोजन किए एवं शाम ढलते ही जिला भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में मंदिर उद्घाटन के अवसर को यादगार बनाने विभिन्न आयोजन किए गए जिला कार्यालय के मुख्यद्वार पर जिला मीडिया प्रभारी वंदना राठौड द्वारा आकर्षक रंगोली बनाई गई , कार्यालय प्रांगण में 1100 दिपको से श्री राम लिखा गया और ? की आकृति बनाई गई उसके पश्चात भव्य आतिशबाजी की गई पूरे कार्यालय को सुंदर विद्युत साज सज्जा और भगवा तोरण से सजाया गया ।

इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष जयंती पटेल ने कहा की आज से भारत में नए युग का उदय हुआ है इसे राम योलुग कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी देश का हर हिंदू 500 से अधिक वर्षो से राम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण की बाट जोह रहा था जिसका स्वप्न आखिरकार 22 जनवरी 2024 को पूर्ण हो गया जैसे ही मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान संपन्न हुआ देश भर में धार्मिक सैलाब देखने को मिला कहीं भंडारा , कहीं भजन कीर्तन और कहीं भगवा रैलियां निकाली गई हमने भी प्रात: प्राण प्रतिष्ठा का सीधा प्रसारण जिला पदाधिकारियों संग देखा सभी का मन भाव विभोर हो गया आज हम सभी मंदिर निर्माण में अपने प्राणों की आहुति देने वाले कर सेवको के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं जिनके अथक परिश्रम के फलस्वरूप हमे इस सुअवसर का साक्षी बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। आज जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित दीपोत्सव और आतिशबाजी कार्यक्रम में विशेष रूप से जिला महामंत्री सत्यम दुआ अकबर अली, मनीषा चंद्राकर, गोपी साहू, राजीव मिश्रा, जितेंद्र गोलछा, संतोष साहू, ऋषभ कुमावत, अवनीश वर्मा, प्रीति प्रघन्या, विशाल शुक्ला, उपस्थित थे ।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राजेश सिंह क्षत्री द्वारा आशमां पब्लिशर्स इंडिया प्रा. लि. जय स्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित तथा लिंक रोड जांजगीर, जिला-जांजगीर-चांपा (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक- राजेश सिंह क्षत्री । आरएनआई रजि. नं.-CHHHIN/2015/65992, डाक पं. क्र. G 2-112/CG/BLP/104/2022-2024 दिनांक 31.03.2022